मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-183, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

14 अक्टूबर को उमरिया के गुरुवाही से सिंगल क्लिक से 1.25 करोड़ महिलाओं के खातों में अंतरित होगी राशि

सीएम डॉ. यादव नवरात्रि में लाडली बहनों को देंगे 41 वीं किश्त की सौगात

एक सत बुलेटिन, भोपाल

नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेश की लाड़ली बहनों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 41 वीं किश्त की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री 14 अक्टूबर को उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत गुरुवाही ग्राम में आयोजित लाड़ली बहना योजना सम्मेलन में सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की किश्त की राशि अंतरित करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,500 रुपये के मान से आर्थिक सहायता राशि अंतरित की जायेगी।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। नवरात्रि के दौरान महिलाओं को मिलने वाली यह राशि महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मान के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी उपभोक्ता एवं गैर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना श्रेणी में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाड़ली बहनों को 450 रुपए के मान से गैस रिफिल प्रदाय किये जाने के लिये अनुदान राशि का सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे।

महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन को मजबूत कर रही योजना

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में निरंतर सुधार करना तथा परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका को सशक्त करना है। योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी अधिक प्रभावी भागीदारी निभा सकें।



योजना के अंतर्गत पात्र सामान्य लाभार्थी महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ प्राप्त करने वाली पंजीकृत पात्र महिलाओं को योजना के प्रावधानों के अनुसार प्रतिमाह 900 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। सहायता राशि आधार से जुड़े डीबीटी सक्रिय बैंक खातों में सीधे अंतरित की जाती है, जिससे भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी और सुविधाजनक बनी रहती है।

136 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव उमरिया जिले के गुरुवाही में आयोजित लाड़ली बहना योजना सम्मेलन में कुल 14,415.93 लाख रुपये की लागत के 136 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। इनमें 8,731.55 लाख रुपये की लागत के 68 कार्यों का लोकार्पण और 5,684.41 लाख रुपये की लागत के 68 कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है। इन विकास कार्यों में बांधवगढ़ और मानपुर विधानसभा क्षेत्रों के कार्य भी शामिल हैं। बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 5,906.99 लाख रुपये की लागत के 18 कार्यों का लोकार्पण तथा 3,225.22 लाख रुपये की लागत के 46 कार्यों का भूमि-पूजन किया जाएगा। मानपुर विधानसभा क्षेत्र में 2,824.56 लाख रुपये की लागत के 50 कार्यों का लोकार्पण तथा 2,459.16 लाख रुपये की लागत के 22 कार्यों का भूमि-पूजन होगा।

जून 2023 से अब तक 40 किस्तों का नियमित अंतरण

योजना के अंतर्गत जून 2023 में लगभग 1.25 करोड़ लाभार्थी महिलाओं को पहली मासिक आर्थिक सहायता राशि अंतरित की गई थी। सितंबर 2026 तक नियमित रूप से 40 किश्तों का भुगतान किया जा चुका है। अब 14 अक्टूबर बुधवार को 41वीं किस्त जारी की जाएगी। इसके अतिरिक्त अगस्त 2023, अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में लाभार्थी महिलाओं को चार बार 250-250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है।

भारत की चीन को दोटूक : लद्दाख हमारा अभिन्न-अटूट अंग

एजेन्सी, नई दिल्ली



भारत ने लद्दाख के बारे में चीन की टिप्पणी को गंभीरता से लेते हुए इसका करारा जवाब दिया है और कहा है कि लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और भले ही चीन कितना भी इनकार करे, इससे तथ्यों को नहीं बदला जा सकता है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने चीन की टिप्पणी के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में मंगलवार को कहा कि यह दोहराया जाता है कि लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। चीनी पक्ष के कितने भी इनकार से इस स्थापित तथ्य को बदला नहीं जा सकता। प्रवक्ता ने कहा कि जहां तक गृह मंत्रालय की उस प्रेस विज्ञप्ति का सवाल है, जिसका उल्लेख किया जा रहा है, वह अपने आप में स्पष्ट है।

घोषणा में कहा गया है कि लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में स्थित 28 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं की पहचान भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्र पर मानक स्थान और भौगोलिक विशेषताओं के नामों के साथ की गई है। यह काम लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और स्थानीय हितधारकों के परामर्श से किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के इन स्थानों की औपचारिक पहचान करने का उद्देश्य उनकी सटीक पहचान सुनिश्चित करना और आम जनता के बीच उनके बारे में जागरूकता बढ़ाना है। चीन ने इस फैसले पर विरोध जताते हुए पश्चिमी क्षेत्र के कुछ इलाकों पर अपना दावा दोहराया है।

सीजेपी के सौरव-रंका को भारी पड़ा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

पहले हिरासत और अब एफआईआर: पुलिस ने लिया कड़ा एक्शन

एजेन्सी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर पर बिना अनुमति के प्रवेश करने और प्रदर्शन करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास, आशुतोष रंका और अन्य सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई सीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा भारी सुरक्षा घेरे और बैरिकेड्स को तोड़कर जंतर-मंतर क्षेत्र में घुसने और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करने के कुछ घंटों बाद की गई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जंतर-मंतर को आधिकारिक तौर पर नामित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा (डिनोटिफाइ) दिया गया है।



प्रतिबंधात्मक आदेशों की अवहेलना करते हुए इस क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद मंगलवार सुबह सौरभ दास, आशुतोष रांका और सीजेपी के कुछ अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। संगठन के अनुसार, उनके लगभग 11 सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को द्वारका जिले के जाफरपुर कलां पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां कुछ सीजेपी कार्यकर्ताओं के इकट्ठा होने के बाद पुलिस स्टेशन के आसपास सुरक्षा और बढ़ा दी गई।

सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस कदम को 'जंतर-मंतर को वापस पाना' करार दिया और दावा किया कि प्रदर्शन स्थल को डिनोटिफाइ किए जाने से उनका आंदोलन कमजोर नहीं होगा। इससे पहले शनिवार को भी दिल्ली में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दिपके, दास और रंका को हिरासत में लिया गया था।

पीएम को 5 पेज की चिट्ठी लिखी

केंद्रीय मंत्री मुरुगन का इस्तीफा राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ी

एजेन्सी, नई दिल्ली



केंद्रीय सूचना और प्रसारण, संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पीएम मोदी को 5 पेज की चिट्ठी में उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता भी छोड़ने की बात कही है।

मुरुगन ने चिट्ठी में लिखा- मुझे जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाए। मैं तमिलनाडु में BJP को मजबूत करने के लिए अपना समय देना चाहता हूं। मुरुगन ने लिखा, आपके नेतृत्व में देश और तमिलनाडु की सेवा करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वे गरीब परिवार से आते हैं और उनके माता-पिता मजदूरी करते थे। तमिलनाडु के रहने वाले मुरुगन मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक था।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मुरुगन अविनाशी सीट से किस्मत आजमा चुके हैं। वे दूसरे नंबर पर रहे। उन्हें 56,200 से ज्यादा वोट मिले। सीएम विजय की टीवीके (थलापति विजय की पार्टी) के प्रत्याशी कमाली एस. से वह 15373 वोटों से हार गए थे।

माता-पिता दिहाड़ी मजदूरी करते थे

एल मुरुगन जब पहली बार मंत्री बने थे, तब उनके माता पता तमिलनाडु में नमक्कल जिले के कुनूर गांव में दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। एल मुरुगन के पिता लोगनाथन और मां वरुदम्मल गांव में अपने छोटे से घर में रहते हैं। वह अनुसूचित जाति के अरुंथथियार समुदाय से आते हैं।

15 अक्टूबर से लागू होना था, त्योहारी सीजन को देखते हुए फैसला

यूपीआई पर 2 हजार से ज्यादा के पेमेंट पर 0.4% चार्ज दिवाली तक टला

एजेन्सी, मुंबई



भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने व्यापारियों के लिए दो हजार रुपए से अधिक के यूपीआई लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) को दिवाली के बाद के लिए टाल दिया है। पहले के निर्णय के अनुसार, यह शुल्क 15 अक्टूबर से लागू किया जाना था। एनपीसीआई ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि उसकी यूपीआई एवं सेवा संचालन समिति ने त्योहारी मौसम को देखते हुए आज यह निर्णय लिया कि व्यक्ति से दुकानदार को (पी2एम) यूपीआई के जरिए किए जाने वाले चुनिंदा भुगतानों पर एमडीआर दिवाली के बाद लागू किया जाएगा। इसको लागू करने की तिथि बाद में अलग से तय की जाएगी।

गौरतलब है कि एनपीसीआई ने गत 15 सितंबर को घोषणा की थी कि यूपीआई के जरिये 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेंट ट्रांजेक्शन पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा जो 15 अक्टूबर से लागू होगा। रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले ट्रांजेक्शन और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन पर किसी भी तरह का शुल्क नहीं लगाया जा सकेगा।

वित्त मंत्रालय ने उस समय इस फैसले की जानकारी देते हुए कहा था कि व्यक्तिगत यूपीआई खातों से मर्चेंट खातों में भुगतान पर 2,000 रुपए से अधिक के लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। अधिकतम एमडीआर 300 रुपे होगा। इसी तरह अनिवार्य सेवाओं जैसे रेलवे, दूरसंचार, बीमा, ईंधन और कृषि क्षेत्र में बीज, खाद आदि के लिए पांच रुपये प्रति ट्रांजेक्शन का सपाट शुल्क तय किया गया है। पूंजी बाजार से संबंधित लेनदेन जैसे म्यूचुअल फंड, प्रतिभूति और स्टॉक ब्रोकर तथा डीलरों के लिए एमडीआर की दर 0.02 प्रतिशत तय की गई है। इसमें भी अधिकतम शुल्क 300 रुपये होगी।

सरकार यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि व्यक्तिगत से व्यक्तिगत यूपीआई खातों में लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। यूपीआई से हर महीने एक लाख रुपये तक का लेनदेन करने वाले छोटे व्यापारियों को भी एमडीआर के दायरे से बाहर रखा गया है।

श्राद्ध का भोज खाने जा रहे थे

बिहार के वैशाली में गंगा में नाव डूबी, 13 की मौत



एजेन्सी, हाजीपुर

वैशाली के राघोपुर में गंगा नदी में नाव पलट गई। इस हादसे में 13 बच्चों की मौत हो गई है। सभी की उम्र 6 से 15 साल के बीच बताई जा रही है। मरने वालों में 7 बच्चियां एक ही परिवार की थीं।

हादसा रात करीब 8.30 बजे हुआ। जब 25 से ज्यादा लोग एक छोटी नाव में बैठकर नदी पार कर श्राद्ध के भोज में जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक मरने वालों में पिंकी कुमारी, अंकिता कुमारी, सुनीता कुमारी, आर्यन कुमार, अलीशा कुमारी, सिकी कुमारी, भोणू कुमारी और मीरा कुमारी शामिल हैं।

वैशाली की डीएम वर्षा सिंह ने बताया है कि 7 घायलों को पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में इलाज के लिए भेजा गया है। कितने बच्चे लापता हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इधर, सीएम सम्राट चौधरी ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख और पीएमओ ने 2-2 लाख रुपए मुआवजे का ऐलान किया है।

विपक्ष के प्रदर्शन के बीच गृह मंत्री का पहला बयान: राहुल के नेतृत्व में 2029 का चुनाव भी हारेगी कांग्रेस

शाह बोले- एसआईआर 2024 में आया, कांग्रेस पहले से हार रही

एजेन्सी, नई दिल्ली

देश भर में एसआईआर और चुनाव आयोग के खिलाफ आंदोलन के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा- राहुल गांधी एसआईआर की आड़ में घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इस देश की जनता उनके एजेंडे को अच्छी तरह समझती है।

उन्होंने कहा- एसआईआर प्रक्रिया 2024 के बाद शुरू हुई, जबकि राहुल गांधी के राजनीति में आने के बाद से ही कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। मैं राहुल से कहना चाहता हूं कि 2029 में एक बार फिर करारी हार के लिए तैयार रहें।

शाह ने कहा- 2029 के लोकसभा चुनाव में NDA भारी बहुमत से जीत हासिल करेगा और कांग्रेस को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ेगा। इस देश की जनता पीएम मोदी, भाजपा और NDA के साथ है। आप इस सच को नकार नहीं सकते।



क्या गुजरात निकाय चुनावों में हार की वजह भी एसआईआर

शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने कुल 104 सीटों में से 90 सीटें जीती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या गुजरात निकाय चुनावों में कांग्रेस की हार की वजह भी SIR है? उन्होंने कहा- गुजरात निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन हर सीट पर उसकी जमानत जब्त हो गई। कांग्रेस 41 साल से गुजरात में एक भी चुनाव नहीं जीती है। कांग्रेस ने आखिरी चुनाव 1985 में जीता था।

बैलेट पेपर से चुनाव हुए, फिर मशीनों पर सवाल क्यों?

शाह ने त्रिपुरा के ग्राम समिति चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि NDA ने करीब 77.5% वोट हासिल किए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस 4,600 सीटों में से केवल 14 सीटें जीत सकी। उन्होंने चुनाव नतीजों के लिए बैलेट मशीनों को जिम्मेदार ठहराने वालों पर निशाना साधते हुए कहा- जिन चुनावों को लेकर आरोप लग रहे हैं, वे बैलेट पेपर से कराए गए थे। इससे भाजपा की जीत के लिए बैलेट मशीनों को जिम्मेदार ठहराने का तर्क खारिज होता है।

कांग्रेस बंगाल-तमिलनाडु उपचुनावों में भी नहीं जीती कांग्रेस

शाह ने हाल में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हुए उपचुनावों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस इनमें एक भी सीट नहीं जीत सकी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के नाओगांव में भाजपा उम्मीदवार ने 1.42 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की, जबकि नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार 1.22 लाख वोटों से जीते।

राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा ने 90% नगर निगमों, 66% नगर परिषदों और 65% नगरपालिकाओं में जीत हासिल की।

उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में 33 साल से कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री नहीं बना है। पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी कांग्रेस लंबे समय से चुनाव नहीं जीत रही है। शाह ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या इन नतीजों को भी रक्षफसे जोड़ेंगे?

कलेक्टर ने किया आधारताल तहसील कार्यालय का निरीक्षण

कलेक्टर सिंह ने आरआई को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार को आधारताल तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तहसीलदार न्यायालय एवं अनुविभागीय राजस्व अधिकारी न्यायालय में दर्ज राजस्व प्रकरणों, उनके निराकरण की स्थिति तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर रविशंकर राय, संयुक?त कलेक?टर ऋषभ जैन एवं अनुविभागीय राजस्व अधिकारी आधारताल मदन सिंह रघुवंशी भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री सिंह ने तहसीलदार न्यायालय में नजूल नामांतरण प्रकरणों से संबंधित फाइलों की जांच की। उन्होंने नामांतरण के प्रकरणों की जांच में पाया कि उचित समन शुल्क जमा कराए बिना नामांतरण की कार्रवाई की जा रही थी। इन प्रकरणों में मात्र एक हजार रुपये का अर्थदंड लगाकर बिना अनुज्ञप्ति के उल्लंघन से नामांतरण किए जा रहे थे। उन्होंने इस संबंध में संबंधित राजस्व निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक?टर ने पिछले माह और कुछ रिजेक्ट किए गए नामांतरण के प्रकरणों का परीक्षण भी किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरणों में, जहां अनावेदक पहले से मौजूद हैं, नामांतरण करने से पहले नियमानुसार निर्धारित समन राशि के स्थान पर 0.5 प्रतिशत समन शुल्क जमा कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने अनुविभागीय राजस्व अधिकारी न्यायालय में भी संधारित राजस्व अभिलेखों, प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया और राजस्व कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने लंबित फाइलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए राजस्व प्रकरणों के निराकरण से संबंधित कार्यों को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के डीएम छात्रों ने नेशनल क्विज में मारी बाजी

डॉ. प्रतिभा ने जीते 11 हजार, डॉ मुथुरमन को मिला 6 हजार रुपए का पुरस्कार



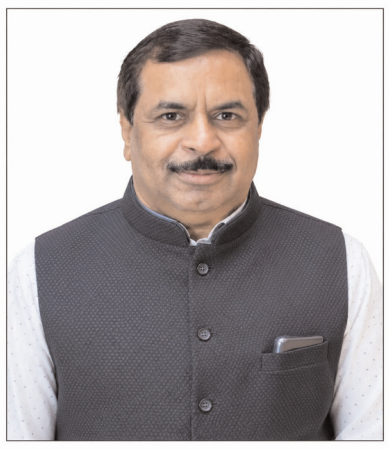
एक सत बुलेटिन, जबलपुर

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के डीएम (पल्मोनरी मेडिसिन सुपर स्पेशियलिटी) के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की क्विज प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। 11 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित ब्रेथ बेटर समिट 2026 प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया। इंडियन एसोसिएशन फॉर ब्रोंकोलॉजी केतत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में मेडिकल कॉलेज की डॉ. प्रतिभा ने पहला स्थान हासिल कर 11 हजार रुपए का नकद पुरस्कार जीता। वहीं, डॉ. मुथुरमन ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 6 हजार रुपए का पुरस्कार अपने नाम किया।

छात्रों की इस उपलब्धि पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना ने दोनों विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, एसईपीएम के संचालक डॉ. अशोक विधार्थी ने छात्रों की सफलता को उनकी लगन, कड़ी मेहनत और निरंतर प्रयासों का परिणाम बताया। पल्मोनरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र आर्य ने छात्रों की उपलब्धि पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि विभाग में रोजाना होने वाली क्लिनिकल गतिविधियों और डीएम छात्रों की सक्रिय भागीदारी से उनकी शैक्षणिक दक्षता बेहतर हो रही है। इससे मरीजों को प्रोटोकॉल और गाइडलाइन के आधार पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में भी मदद मिल रही है।

डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी पुनः बने भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



भारतीय जनता पार्टी, मध्यप्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ में डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी को पुनः प्रदेश सह संयोजक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल एवं प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल द्वारा नियुक्त किया है डॉ. अश्वनी कुमार त्रिवेदी की पुनर्नियुक्ति उनके कार्यों को देखते हुए जैसेकि प्रदेश का प्रथम गौ चिकित्सा शिविर,कैंसर शिवर टेस्ट ट्यूब बेबी शिविर कोरोना काल मे परामर्श एवं दवाइयों का वितरण राम जन्म मंदिर के शुभारंभ पर राम किट का वितरण जो कि हार्ड अटैक के लिए राम बाण औषधि है जबलपूर शहर एवं महाकौशल क्षेत्र में भिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया डॉ त्रिवेदी के नियुक्ति होने पर कैविनेट मंत्री राकेश सिंह,सांसद आशीष दुबे,महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन विधायक सुशील तिवारी इंदु, अशोक रोहणी,अभिलाष पांडेय एवं नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ.विवेक जैन,डॉ. शुभम अवस्थी,डॉ. वीरेंद्र साहू,डॉ. श्रीकांत साहू आदि चिकित्सक गण एवं शुभचिंतको ने बधाई दी

नर्मदा एक्सप्रेस में महिला यात्री के पर्स चोरी का खुलासा, 60000 का मशरूका बरामद

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



थाना जीआरपी जबलपुर में ट्रेन में हुई चोरी के मामले में आरोपी अरुण लोनी, पिता सुनील लोनी, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम गड़वास, थाना पान उमरिया, जिला कटनी को गिरफ्तार किया गया है। लगातार ट्रेनों में हो रही घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए *श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय रेल जबलपुर श्री सुंदर सिंह कनेश व अति पुलिस अधीक्षक महोदय रेल आशुतोष मिश्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक महोदय रेल अंकिता सुल्या * के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत द्वारा लगातार स्टेशन पर चैकिंग कराई जरही है जो कल दिनांक 12.10.2026 को विचैकिंग के दौरान एक व्यक्ति को रेलवे स्टेशन जबलपुर से संदिग्ध होने पर पूछताछ की गई जो रेलवे स्टेशन आने का कोई काबिल उत्तर न देने पर हिकमतमाली से पूछताछ की गई जो आरोपी ने करीब एक माह पूर्व ट्रेन 18233 नर्मदा एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में सो रही महिला यात्री का लेडीज पर्स एक साथी के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से सोने के 6 लॉकेट, अनुमानित कीमत 42,000 तथा चांदी की एक जोड़ी पायल, अनुमानित कीमत 18,000, कुल 60,000 का मशरूका बरामद कर विधिवत जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध पूर्व आपराधिक अभिलेख पाए गए हैं। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद उसे गिरफ्तारी के कारणों से अवगत कराकर गिरफ्तार किया गया तथा गिरफ्तारी की सूचना उसके पिता सुनील लोनी को दी गई। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है। प्रकरण में थाना प्रभारी, जीआरपी जबलपुर संजीवनी राजपूत ,प्र आर संतोष चौबे प्र आर अरुण तिवारी प्र आर परशुराम प्र आर रविकांत प्र आर हरस्वरूप प्र आर ओम प्रकाश बघेल।

कांवघर चल समारोह की व्यवस्थाओं को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

आगामी पारंपरिक कांचघर चल समारोह को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने की मांग को लेकर महाकौशल विधि छात्र संघ मध्य प्रदेश ने अध्यक्ष एडवोकेट अंकुश चौधरी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में चल समारोह मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, सुगम यातायात के लिए रूट डायवर्जन, सड़कों के गड्ढों की मरम्मत, लटकते बिजली तारों को दुरुस्त करने, साफ-सफाई एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की मांग की गई। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस, मेडिकल टीम और फायर ब्रिगेड तैनात करने का आग्रह किया गया। इस दौरान महासचिव राहुल अगरिया, मोहित प्यासी, अमित पटेल, प्रतीक कोरी, देव जाट, राहुल झरिया, एडवोकेट जोहेब, शुभम प्रजापति, एडवोकेट अश्विनी यादव, दीपांशु मिश्र, एडवोकेट सादिक, सुनील मरावी सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कैकेई कुमार कहलाते आज आती लाज, वन गमन पर भाव विहल भरत ने राम को मनाया, नहीं माने

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



कैकेई कुमार कहलाते आज आती लाज, कुल का कलंकी मुझे मां ने ही बनाया है..! माता कौशल्या से ये संवाद भरतजी ने कहे। उन्होंने कहा कि माता कैकेई के कारण आज मैं कुल कलंकी हो गया। सारा संसार मुझे भाई विरोधी और पितृ हंता के नाम से पहचानेगा। इस पर मां कौशल्या ने कहा कि तुम्हारा ऐसा सोचना ठीक नहीं। सब विधि का विधान है। संवाद गोविंदगंज रामलीला के थे, जहां भरत मिलाप चित्रकूट सभा की लीला मंचित की जा रही थी। राजा बनने की बजाय पूरी अयोध्या के साथ राम को मनाने पहुंचे भरतजी ने श्रीराम को मनाने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन श्रीराम नहीं माने। अध्यक्ष पं. अनिल तिवारी ने बताया कि आज रामलीला के मंच पर सबसे प्रसिद्ध लीला 'सीता हरण' मंचित की जाएगी। श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला के अंतर्गत कैकई-दशरथ संवाद, राम वनगमन, निषाद प्रसंग एवं केवट संवाद की हृदयस्पर्शी लीला का मंचन किया गया। केवट की अनन्य भक्ति ने दर्शकों को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। सह-निर्देशक मोती शिवहरे एवं पात्र प्रतिनिधि राजा पांडे के मार्गदर्शन में कैकई-दशरथ संवाद का प्रभावशाली मंचन हुआ। इस अवसर पर संचालक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित, लोकराम कोरी, एडवोकेट अखिलेश उपाध्याय,राकेश मिश्रा, अजय तिवारी, डॉ. नीना भूपेंद्र उपाध्याय, इंदुलता प्यासी, नीलेश चौबे, राकेश पाठक, पंकज अवस्थी, मदन गोपाल पटेल, विजय नेमा आदि उपस्थित रहे। धनुष यज्ञ रामलीला समिति सदर बाजार द्वारा आयोजित रामलीला में राम वन गमन प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया।

सहकारिता से संवर रही जिंदगी

फूटाताल जलाशय से 150 मछुआ परिवारों को मिल रहा रोजगार

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



सहकारिता और सामूहिक प्रयासों से रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में मछुआ मजदूर सहकारी समिति, फूटाताल एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभरी है। जबलपुर नगर निगम क्षेत्र में स्थित फूटाताल जलाशय 150 मछुआ परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार है। समिति के माध्यम से ये परिवार संगठित होकर मत्स्य पालन कर रहे हैं और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मछुआ मजदूर सहकारी समिति फूटाताल का पंजीयन 11 मई 1988 को हुआ था। अध्यक्ष ओम हरि कश्यप के नेतृत्व में समिति तीन दशक से अधिक समय से मछुआ परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समिति को 67 हेक्टेयर जलक्षेत्र वाला फूटाताल जलाशय वर्ष 2018 से 2028 तक 10 वर्षीय पट्टे पर आवंटित है। इससे सदस्यों को मत्स्य पालन की गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करने का अवसर मिला है। समिति द्वारा समय.समय पर जलाशय में मत्स्यबीज संचयन किया जाता है, जिससे मछली उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है। समिति के सदस्य सप्ताह में तीन से पांच दिन मछली पकड़ने का कार्य करते हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन लगभग 1 हजार से 12 सौ रुपए का लाभ अर्जित होता है। इस आय से परिवारों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिल रही है। मजदूर सहकारी समिति की सफलता बताती है कि संगठित प्रयास, सुनियोजित मत्स्य पालन और शासकीय योजनाओं का लाभ मिलकर ग्रामीण एवं शहरी मछुआ परिवारों की आजीविका को मजबूत बना सकते हैं। समिति रोजगार के साथ.साथ सामाजिक सुरक्षा और सामुदायिक सहयोग का भी उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

केवट की अनन्य भक्ति के आगे झुके रघुनंदन

राम के वनगमन पर नम हुई श्रद्धालुओं की आंखें



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

श्री रामलीला समिति गढ़ा जबालीपुरम के सिद्ध मंच पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की मानव लीला के अंतर्गत कैकई-दशरथ संवाद, राम वनगमन, निषाद प्रसंग एवं केवट संवाद की हृदयस्पर्शी लीला का मंचन किया गया। भगवान राम एवं माता सीता की आरती एवं माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस दौरान राम के वनगमन के दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया, वहीं केवट की अनन्य भक्ति ने दर्शकों को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। सह-निर्देशक मोती शिवहरे एवं पात्र प्रतिनिधि राजा पांडे के मार्गदर्शन में कैकई-दशरथ संवाद का प्रभावशाली मंचन हुआ। कैकई के हठ के कारण जब भगवान श्रीराम को चौदह वर्ष का वनवास मिला, तब पिता के वचन की मर्यादा निभाने के लिए प्रभु श्रीराम माता सीता एवं भ्राता लक्ष्मण के साथ वन की ओर प्रस्थान कर गए। राम के वनगमन का दृश्य देखकर उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।इसके पश्चात निषाद प्रसंग एवं केवट संवाद ने भक्ति की अनुपम छटा बिखेरी। जब भगवान श्रीराम ने गंगा पार जाने के लिए केवट से नाव लाने को कहा, तो केवट ने प्रभु के चरण पखारने की विनम्र इच्छा व्यक्त करते हुए नाव लाने से इनकार कर दिया। उसने भावपूर्ण ढंग से कहा कि प्रभु के चरणों की धूल के स्पर्श से जब पत्थर भी नारी बन सकता है, तो उसकी लकड़ी की नाव का क्या होगा! केवट की यह अनूठी युक्ति वस्तुतः प्रभु के चरण धोने और उनका पावन स्पर्श पाने की उत्कृष्ट अभिलाषा थी। इस प्रसंग ने संदेश दिया कि भगवान के दरबार में धन-वैभव नहीं, बल्कि निष्कपट प्रेम और अनन्य भक्ति ही सर्वोपरि हैं। इस अवसर पर संचालक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष एवं निर्देशक राजेश मिश्रा, महामंत्री एडवोकेट अरुण दीक्षित, लोकराम कोरी, एडवोकेट अखिलेश उपाध्याय, श्रीमती पदमा देवेन्द्र मालिया, डॉक्टर आशीष ज्योति मिश्रा,राकेश मिश्रा, अजय तिवारी, डॉ. नीना भूपेंद्र उपाध्याय, इंदुलता प्यासी, नीलेश चौबे, राकेश पाठक, पंकज अवस्थी, मदन गोपाल पटेल, विजय नेमा, कैलाश नेमा, प्रहलाद बिलथरे, भोलाराम खत्री, राजेश नेमा, अशोक बघेल, हनुमंत सिंह रघुवंशी, सुधा यादव, पूजा सतीश कोष्टा, विद्या केवट, पंचम सोनी, जितेन्द्र सोनी, माधव दुबे, प्रमोद तिवारी, मुकेश मिश्रा एवं नरेश मिश्रा सहित समिति के स्थायी एवं आजीवन सदस्य उपस्थित रहे। मंच के पीछे रहकर रूप-सज्जा एवं वस्त्र-सज्जा में योगदान देने वाले प्रदीप गोस्वामी, अनिल दुबे, जितेन्द्र सोनी, नरेश मिश्रा एवं सम्राट पांडे तथा तबला वादक शरद झारिया के योगदान की समिति संचालक अशोक मनोध्याय ने मुक्तकंठ से सराहना की। आज चित्रकूट सभा की लीला का मंचन श्री रामलीला समिति के अनुसार, बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को चित्रकूट निवास, दशरथ मरण, भरत आगमन एवं चित्रकूट सभा की रोचक लीला का मंचन किया जाएगा। समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्रीराम की लीला का पुण्यलाभ लेने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

मदाखलत अमले ने मुख्य मार्गों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण



ग्वालियर। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और अवैध अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़कों से अवैध दुकानों, हाथ-ठेलों और अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाया गया। मदाखलत के नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार मदाखलत अधिकारी शैलेन्द्र चौहान के निर्देशन में पूर्व विधानसभा में अचलेश्वर मंदिर के पास संगीत महाविद्यालय के सामने से हाथ ठेलों को हटाया गया और जब्ती की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान मदाखलत अमला मौजूद रहा। ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत मदाखलत अमले ने आनंद नगर अंग्रेजी शराब की दुकान के सामने सागर ताल रोड पर लगी जनरल आयटम एवं चाय की गुमटियां जिन पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है एवं वार्ड 33 में सडक पर पड़ी बजरी ईट गिट्टी बिल्डिंग मटेरियल की सामग्री को हटवाने की हिदायत संबंधित को दी गई।

शहर के सौंदर्यीकरण के लिए डिवाइडरों की कराई सफाई



ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण और हरित क्षेत्र को व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से पार्क विभाग के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशनुसार पार्क विभाग द्वारा अभियान चलाकर शहर के प्रमुख डिवाइडरों और सड़क किनारे के हरित क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि स्वच्छ, सुंदर और हराभरा ग्वालियर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और प्रभावी बनाया जा सके। यह अभियान अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर, उपायुक्त मुकेश बंसल एवं पार्क अधीक्षक भूपेंद्र सासोड़े के निर्देशन में उद्यान निरीक्षक एवं समस्त उद्यान पर्यवेक्षकों द्वारा गठित दलों के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

छात्राओं ने जब्त की 300 किलो पॉलीथिन



ग्वालियर। स्वच्छ भारत मिशन 2026-27 के अंतर्गत नगर निगम द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथिन के उपयोग पर रोक लगाने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को सरकारी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, षिंदे की छावनी की छात्राओं ने आसपास के क्षेत्र में पॉलीथिन का उपयोग करने वाले दुकानदारों एवं ठेलेवालों से नगर निगम के साथ मिलकर पॉलीथिन जब्त की। साथ ही उन्हें पॉलीथिन के विकल्प के रूप में कपड़े या जूट के थैले, बायोडिग्रेडेबल पॉलीबैग और माइक्रो-ओवन वाले बैग इस्तेमाल करने का सुझाव दिया गया। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान के दौरान दुकानदारों और ठेले वालों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें, दिए निराकरण के निर्देश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर एवं श्री मुनीष सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 23 मुरार शमषान के पास के निवासीगणों ने आवेदन देकर मुरार शमषान के सामने चल रहे अवैध धुलाई सेंटर को बंद कराये जाने के संबंध में, वार्ड 26 किचलू साहब का बंगले मुरार निवासी श्री राधेलाल सोनी ने आवेदन देकर मकानों के पीछे बनी गली को साफ कराये जाने के संबंध में, वार्ड 42 नई सड़क निवासी श्री सचिन श्रीवास्तव ने आवेदन देकर कुएँ को बंद कर उस पर किए जा रहे अवैध कब्जे को हटाये जाने के संबंध में, वार्ड 5 शील नगर निवासी श्रीमती रेखा शाक्य व अन्य ने आवेदन देकर अवैध रूप से संचालि बंदी कारखाने को बंद कराये जाने के संबंध में उचित कार्यवाही सहित अन्य आवेदकों ने अपने आवेदन अपर आयुक्त को दिए।

जिस पर अपर आयुक्त ने कुछ समस्याओ का निराकरण त्वरित करते हुए बांकी समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई, नामांतरण आदि से संबंधित 46 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अपर आयुक्त ने दिए।आमजन की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के उद्देश्य से जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अपर आयुक्त ने नागरिकों की शिकायतें और समस्याएँ गंभीरतापूर्वक सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के कड़े निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुँचे नागरिकों ने बिजली, पानी, सड़क, साफ-सफाई, अतिक्रमण और राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपने आवेदन प्रस्तुत किए।

कांग्रेस का ब्लॉक स्तरीय पैदल मार्च मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा



एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ एवं वोट बचाओ अभियान के तहत वोट चोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तथा निष्पक्ष चुनाव और जनता के मताधिकार की रक्षा के संकल्प के साथ शहर जिला कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हेमू कालानी के अध्यक्ष श्याम सुंदर श्रीवास्तव एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी माघोगंज के अध्यक्ष अंसार खान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोल पहाड़िया की अध्यक्षा श्रीमती लक्ष्मी माथुर के नेतृत्व मे अपने-अपने ब्लॉक मे ब्लॉक स्तरीय पैदल मार्च निकाला गया। पैदल मार्च में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव विशेष रूप से सम्मलित रहे। पैदल मार्च में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट है और मताधिकार की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। इसके विपरीत मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा भाजपा के ईशारे पर देश की जनता के वोटो की चोरी कराकर जनता को धोखा दिया है। पद बने रहने का कोई हक नहीं है, कांग्रेस पार्टी जनता के वोटों की चोरी हर हाल में रोक कर रहेगा और ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा।

स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लरों में अनैतिक गतिविधियों पर पुलिस की पैनी नजर, महिला पुलिस अधिकारियों ने की सघन चेकिंग

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर डॉ0 षिवेष सिंह बघेल एवं डीएसपी महिला सुरक्षा श्रीमती किरण अहिरवार के कुशल मार्गदर्शन में स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लरों में होने वाली अनैतिक गतिविधियों की रोकथाम हेतु लगातार चेकिंग अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है और महिला पुलिस द्वारा क्षेत्रों में लगातार पैदल भ्रमण कर संदिग्धों व चिन्हित हॉट स्पॉट की निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में आज निरीक्षक सुरभि शर्मा, महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक ज्योति शर्मा, उनि0 शैलजा सिंह, उनि0 सुनरेखा कुषवाह द्वारा शहर के कुछ स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लरों की चेकिंग की गई। जिसमें ''मोना स्पा सेंटर'', ''हेल्थी स्पा सेंटर'' एवं ''द बीच स्पा सेलून सेंटर''को चेक किया गया और चेकिंग के दौरान कोई भी आपत्तिजनक स्थिति में नहीं मिला, न ही कोई आपत्तिजनक सामग्री पाई गई। चेकिंग के दौरान उपस्थित स्टाफ की जानकारी ली गई एवं वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया। चेकिंग के दौरान स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लर संचालकों को आगंतुकों का रजिस्टर नियमित रूप से संधारित करने, सीसीटीवी कैमरे व्यवस्थित एवं चालू हालत में रखने तथा सुरक्षा संबंधी सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही हिदायत दी गई कि कार्य हेतु रखे गये स्टाफ का बायोडाटा उचित तरीके से रखा जाए। पुलिस अधिकारियों ने स्पा सेंटर एवं मसाज पार्लर संचालकों को उनके प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रकार की अनैतिक गतिविधि संचालित न होने देने के संबंध में सख्त हिदायत दी गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि यदि किसी भी प्रतिष्ठान में अनैतिक गतिविधियां संचालित पाई जाती हैं तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ग्वालियर पुलिस द्वारा शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से इस प्रकार की चेकिंग एवं निगरानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

छात्रों ने घूमी गौशाला, देखा सीएनजी प्लांट गोबर से गैस बनाने की देखी तकनीक

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम द्वारा संचालित आदर्श गौशाला का आज प्रगति विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया, इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद 11000 गोवंश की देखभाल के तरीकों को देखा और उनके प्रबंधन की पूरी जानकारी ली। साथ ही गोवंश का संरक्षण क्यों जरूरी है, इस विषय पर संतों से सत्संग सुना। इसके बाद उन्होंने गौशाला में मौजूद बायो सीएनजी प्लांट एवं सोलर प्लांट देखा और पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ ली। लालटिपारा में नगर निगम द्वारा आदर्श गौशाला का संचालन किया जा रहा है। इस गौशाला में 11000 के लगभग निराश्रित गोवंश को रखा गया है, जिनकी यहां पर बेहतर देखभाल की जा रही है। वर्तमान समय में आदर्श गौशाला अपने नाम के अनुरूप आदर्श रूप ले चुकी है। जिसे देखने के लिए प्रतिदिन पर्यटक, भक्त एवं सैलानी आते हैं। मंगलवार को प्रगति विद्यापीठ के छात्रों ने आदर्श गौशाला का भ्रमण किया, इस दौरान उन्होंने वहां पर मौजूद बायो सीएनजी प्लांट को देखा जिसमें गौशाला में रहने वाली गायों के गोबर से गैस बनाई जा रही है। इसके साथ ही गौशाला की छत पर लगाए गए विषाल सोलर प्लांट को देखा। साथ ही गौशाला में प्रतिदिन संचालित होने वाले लंगर में भोजन प्रसादी ग्रहण की, संतों ने छात्रों को सत्संग में गंदगी और पॉलीथिन के दुष्प्रभाव के बारे में बताया, और पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाया।

पुलिस ने अपहृत 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को इंदौर से दस्तयाब कर एक संदेही युवक को अभिरक्षा में लिया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में ऑपरेषन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक(पूर्व) डॉ0 षिवेष सिंह बघेल द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। घटना का संक्षिप्त विवरणः- फरियादी जितेन्द्र सिंह(परिवर्तित नाम) निवासी उटीला ने थाना पर रिपोर्ट लेख कराई थी कि दिनांक 30.09.2026 को मेरी लड़की शीला(परिवर्तित नाम) उम्र करीबन 15 साल घर से कहीं चली गई है। जिसकी तलाष आसपास तथा रिश्तेदारी में की गई लेकिन कोई पता नही चला। मुझे शक है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसला कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना उटीला पर अपराध क्रमांक 91/26 धारा 137(2) बी.एन.एस. का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषानुसार एसडीओपी बेहट श्री मनीष यादव के कुषल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उटीला उप निरी. नरेन्द्र सिसोदिया के द्वारा थाना बल की टीम एवं तकनीकी सेल को उक्त अपहृत नाबालिग बालिका को दस्तयाब करने हेतु लगाया गया।

जिले में बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन अभियान के तहत बच्चों का रेस्क्यू कर पुनर्वास गृह में कराया प्रवेश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



जिले में बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम तथा भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को चिन्हित कर उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अभियान चलाया गया। अभियान के तहत फूलबाग चौराहा, मंशापूर्ण हनुमान मंदिर एवं मेला ग्राउंड स्थित गोले का मंदिर क्षेत्र में कार्रवाई की गई। जिला स्तरीय संयुक्त टीम द्वारा संचालित इस अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग, विशेष किशोर पुलिस इकाई, श्रम विभाग एवं चाइल्डलाइन एजेंसी के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। अभियान के दौरान एक बालक एवं एक बालिका सहित कुल दो बच्चों का रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए दोनों बच्चों को आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया के तहत बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति के निर्देशानुसार बालक को बालाजी शिशु गृह तथा बालिका को मां केला देवी बालिका गृह में प्रवेशित कराया गया, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण में संरक्षण, देखभाल एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा सके। जिला प्रशासन का उद्देश्य बाल भिक्षावृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाना, बच्चों को जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से बाहर निकालना तथा उनके संरक्षण, पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक कदम उठाना है। इस प्रकार के संयुक्त अभियान के माध्यम से बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जनकपुरी में हुआ भव्य स्वागत

गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य राम बारात, दीनदयाल नगरवासी बने श्रीराम-सीता विवाह के साक्षी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नव दुर्गा रामलीला सेवा समिति, सेक्टर-सी, दीनदयाल नगर द्वारा आयोजित 17वें भव्य रामलीला समारोह के तृतीय दिवस भगवान श्रीराम की भव्य बारात धूमधाम से निकाली गई। बैंड-बाजे, हाथी-घोड़े, आकर्षक रथों, भव्य झांकियों और आतिशबाजी से सजी राम बारात ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। दीनदयाल नगर की गलियां भगवान श्रीराम के जयघोष से गूंज उठीं। हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुष राम बारात में शामिल हुए और जगह-जगह पुष्पवर्षा कर बारात का भव्य स्वागत किया। समिति के अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने बताया कि राम बारात में श्रद्धेय संत श्री कृपाल सिंह जी महाराज रथ पर भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण जी के साथ विराजमान होकर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर नाचते-गाते हुए बारात के साथ आगे बढ़ते रहे। पूरे मार्ग में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। भव्य रूप से सजाई गई जनकपुरी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। राजा जनक की भूमिका निभा रहे ब्रजपाल यादव ने बारात की अगवानी की तथा बारातियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। श्रद्धालुओं एवं बारातियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। जनकपुरी की साज-सज्जा और विवाह समारोह के दिव्य वातावरण ने उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। रामलीला मंचन के दौरान राजा जनक के दरबार में भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष भंग करने और माता सीता द्वारा उन्हें वरमाला पहनाने की लीला का भव्य मंचन किया गया। जैसे ही माता सीता ने भगवान श्रीराम के गले में वरमाला डाली, पूरा पंडाल जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर इस दिव्य प्रसंग का उत्सव मनाया। श्रीराम-सीता विवाह की लीला ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति और उल्लास से सराबोर कर दिया। रामलीला के अगले प्रसंग में भगवान श्रीराम के वनवास की मार्मिक लीला का मंचन किया गया। मंथरा के बहकावे में आकर कैकेयी द्वारा राजा दशरथ से दो वरदान मांगने का प्रसंग प्रस्तुत किया गया, जिसमें भरत के लिए अयोध्या का राजसिंहासन और भगवान श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगा गया। यह सुनकर राजा दशरथ गहरे शोक में डूब जाते हैं। इसके पश्चात भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी के वनगमन तथा भगवान श्रीराम और केवट के बीच हुए भावपूर्ण संवाद का सजीव मंचन किया गया। इन मार्मिक दृश्यों को देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे और अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। भव्य राम बारात सेक्टर-सी स्थित रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर कुशवाह चौराहा और महाराज कॉम्प्लेक्स होते हुए पुनः रामलीला मैदान पहुंची। यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया तथा जलपान की व्यवस्था की। स्थानीय नागरिकों ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ आयोजन में सहभागिता भगवान राम की आरती में मुन्नालाल गोयल, धनपाल चौहान, बनबारी श्रीवास्तव, रामगोपाल चौधरी एवं पदाधिकारी उपस्थित थे.

संपादकीय

विपक्ष अब इंतजार करे

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ह्यअवधारणाह्न का आंदोलन चला कर राजनीति में पैठ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। बार-बार देश को संबोधित कर रहे हैं और इसे ह्यभविष्यह्न और पूरे देश की लड़ाई करार दे रहे हैं। संविधान और लोकतंत्र बचाने का उनका मुद्दा 2024 के लोकसभा चुनाव से चल रहा है, लेकिन अब उन्होंने ह्यमताधिकारह्न से जोड़ दिया है। बेशक देश के औसत नागरिक का ह्यसंवैधानिक मताधिकारह्न, किसी भी स्थिति में, छीना नहीं जा सकता। वह लोकतंत्र का बुनियादी अधिकार है। नेता प्रतिपक्ष बार-बार आह्वान कर रहे हैं कि आओ दिल्ली! चलो दिल्ली!! यह आंदोलन नहीं, ह्यशिव जी की बारातह्न है, ह्यशिव जी का तांडवह्न है। इस आंदोलन में कुत्ता, बिल्ली, बंदर कोई भी शामिल हो सकता है। यदि भाजपावाले भी आना चाहें, तो कोई आपत्ति नहीं। उनका मन्तव्य और लक्ष्य है कि इस तांडव से ही परिवर्तन होगा, न्याय देना पड़ेगा। एक तरफ आंदोलनकारी हैं, तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री, सीईसी, संघ-प्रमुख मोहन भागवत हैं। इस सूची में अब राहुल गांधी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवल का नाम भी जोड़ लिया है। नेता प्रतिपक्ष का विश्वास है कि यह विभाजन एक दिन खत्म होगा। आंदोलन कई दिन, कई महीने और साल भी चलाना पड़ सकता है, लेकिन देश को रुकना, थकना, डरना नहीं है। वह देश को यह भरोसा भी दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि जिनके खिलाफ आज देश आंदोलित है, उन्हें जाना ही पड़ेगा। नेता विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता को ह्यसरकारी गवाहह्न बनने की पेशकश की है, ताकि साजिश के सूत्रधार बेनकाब हो सकें।

राहुल गांधी ने यह भी चौंकाने वाला दावा किया है कि मोदी सरकार के 200 अफसर लगातार उनके संपर्क में हैं, हरेक ह्यसूचनाह्न देते हैं। ये अफसर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), सीबीआई और विदेश मंत्रालय में हैं। प्रधानमंत्री मोदी को जो करना है, वह कर लें, सरकार का ह्यब्लूप्रिंटह्न हमारे पास है। नेता प्रतिपक्ष यह अवधारणा भी फैला रहे हैं कि 50 फीसदी पुलिस आंदोलन की समर्थक है। पुलिसवाले सोचते रहते हैं कि वे ह्यवोट चोरोंह्न और ह्यदेश-विरोधियोंह्न को क्यों बचा रहे हैं? बहरहाल राहुल गांधी अवधारणा की राजनीति के जरिए देश में ऐसी ह्यहवाह्न बनाने की कोशिश में हैं, जो ह्यइंडीह्न ब्लॉक के पक्ष में ह्यलहरह्न पैदा कर दे। हम नहीं जानते कि यह अवधारणा कितनी बदलेगी और कितनी कारगर साबित होगी, लेकिन राहुल गांधी इस बार अपेक्षाकृत आक्रामक और निरंतर लग रहे हैं। यह भी संवैधानिक यथार्थ है कि देश के मतदाता ही देश, लोकतंत्र और सरकार को चलाते हैं, चुनते हैं, लिहाजा मताधिकार बेशकीमती है। फिलहाल यह मतदाता राहुल गांधी और कांग्रेस के पक्ष में नहीं हैं। ह्यवोट चोरीह्न का अध्याय शुरू होने और विवादास्पद सीईसी ज्ञानेश से पहले ही कांग्रेस लगातार तीन लोकसभा चुनाव हार चुकी थी। कई राज्यों में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। उप्र, बंगाल, बिहार सरीखे राज्यों में उसका लगभग सूपड़ा साफ है। अब राहुल गांधी को लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को ह्यवोट चोरीह्न के जरिए चुनाव जितवाए जाते रहे हैं। अब वह समूचे विपक्ष के साथ सडकों पर उतर आए हैं, लिहाजा अवधारणा की राजनीति का मॉडल अराजक भी लगता है और अनिश्चित भी है, क्योंकि ऐसा कोई रुझान, संकेत, सर्वेक्षण सामने नहीं हैं, जो स्पष्ट कर सकें कि अवधारणा किन स्तरों पर, कितने फीसदी बदल रही है। राजधानी दिल्ली में फिलहाल जन-सैलाब मौजूद है, जाहिर है कि उससे जन-जीवन, जन-व्यवस्था प्रभावित हो रहे हैं। राहुल और प्रियंका गांधी ने सोमवार को मात्र एक किलोमीटर पैदल मार्च का नेतृत्व किया था। अप्रत्याशित भीड़ के कारण भगदड़ के आसार बनते रहे। कुछ पत्रकार, वकील और कार्यकर्ता संभावित भगदड़ में पिसते रहे। शुक्र है कि कोई अनहोनी नहीं हुई। बहरहाल अब राहुल गांधी समेत विपक्षी गठबंधन के 11 बड़े नेताओं ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दे दी है, कुछ याचिकाएं पहले से ही विचाराधीन हैं, लिहाजा अब सडकों पर हुजूम थमना चाहिए। त्योहारों का मौसम फीका न चला जाए, लिहाजा आंदोलन को विश्राम देना चाहिए और शीर्ष अदालत के फैसले की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों के खर्च से वित्तीय पारदर्शिता पर उठते सवाल

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

> भारत में विदेशी अंशदान प्राप्त करने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के प्रावधान लागू होते हैं। किसी संगठन को विदेशी धन मिलने के आरोप की पुष्टि राजनीतिक संबंधों, विचारधारा या किसी नेता के पुराने पेशेवर जुड़ाव से नहीं की जा सकती। इसके लिए वित्तीय दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड या सक्षम एजेंसियों की जांच जैसे ठोस आधार चाहिए।

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के पिछले दिनों हुए तीन प्रदर्शनों के खर्च को लेकर राजनीतिक और बौद्धिक हलकों में चर्चा हो रही है। मुख्य सवाल यह है कि इन आयोजनों के लिए धन कहां से जुटाया जा रहा है? क्या आम लोगों के छोटे-छोटे स्वैच्छिक योगदान से ऐसे प्रदर्शन आयोजित किए जा सकते हैं या इसके पीछे कोई दूसरी आर्थिक व्यवस्था भी है? इन सवालों का जवाब आरोपों और अनुमानों के बजाय तथ्यों तथा वित्तीय पारदर्शिता के आधार पर तलाशना जरूरी है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन को सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन करने और जनसमर्थन जुटाने का अधिकार है। साथ ही, उसके आर्थिक संसाधनों और खर्च को लेकर सवाल उठाना भी स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े आयोजन किये जाने की चर्चा हो, हालांकि केवल प्रदर्शन में जुटी भीड़ देखकर किसी संदिग्ध वित्तीय स्रोत का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

मीडिया में उपलब्ध जानकारियों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बोस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर डिग्री हासिल की है। संगठन की स्थापना से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी की डिजिटल मीडिया टीम के साथ काम किया और दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में संचार सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं। उनकी यह पृष्ठभूमि राजनीतिक संचार, जनसंपर्क और मीडिया प्रबंधन के क्षेत्र में अनुभव को दशार्ती है लेकिन इससे उनकी वर्तमान आय, निजी आर्थिक स्थिति या संगठन के कार्यक्रमों में उनके व्यक्तिगत योगदान की जानकारी नहीं मिलती। इसी प्रकार, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता बताए जाने वाले सौरभ दास स्वतंत्र खोजी पत्रकार और सूचना का अधिकार कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, उनकी आय का संबंध पत्रकारिता और विभिन्न मीडिया मंचों के लिए लेखन से है। वहीं, संगठन के रणनीतिकार और प्रवक्ता के रूप में चर्चित आशुतोष रांका आईआईटी कानपुर से पढ़े हैं और लंदन में मैकिन्से में सलाहकार के तौर [

कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से कथित तौर पर कहा जाता है कि प्रदर्शनों का खर्च स्थल पर रखे दानपात्र, आम लोगों के स्वैच्छिक योगदान और शुभचिंतकों की सहायता से पूरा किया जाता है। कुछ लोगों को यह व्यवस्था बड़े आयोजनों के खर्च के लिहाज से अपर्याप्त लग सकती है। लेकिन इस आशंका की पुष्टि के लिए वास्तविक खर्च और जुटाई गई राशि का विवरण जरूरी है। किसी प्रदर्शन की लागत प्रतिभागियों की संख्या, परिवहन, प्रचार सामग्री, ध्वनि उपकरण, बैनर, भोजन, पानी और आयोजन की अवधि पर निर्भर करती है। यदि प्रतिभागी अपने खर्च पर पहुंचते हैं, स्वयंसेवक बिना पारिश्रमिक काम करते हैं और प्रचार के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग होता है तो लागत कम भी हो सकती है। इसके विपरीत, व्यापक व्यवस्थाओं वाले कार्यक्रमों में खर्च बढ़ सकता है। इसलिए सवाल यह नहीं कि प्रदर्शन बड़ा था तो धन का स्रोत भी असामान्य ही होगा। असल सवाल यह है कि आयोजनों पर कितना खर्च हुआ, धन किस माध्यम से मिला और उसका हिसाब किस प्रकार रखा गया। चर्चा में यह दावा भी सामने आता है कि संगठन का कोई पंजीकृत बैंक खाता नहीं है और उसे विदेशी फंडिंग नहीं मिलती। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि के बिना इन्हें अंतिम तथ्य मानना उचित नहीं होगा। संगठन का पंजीकरण, बैंक खाते का संचालन, चंदा स्वीकार करने के नियम और विदेशी स्रोतों से धन प्राप्त करने की पात्रता अलग-अलग विषय हैं।

भारत में विदेशी अंशदान प्राप्त करने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के प्रावधान लागू होते हैं। किसी संगठन को विदेशी धन मिलने के आरोप की पुष्टि राजनीतिक संबंधों, विचारधारा या किसी नेता के पुराने पेशेवर जुड़ाव से नहीं की जा सकती। इसके लिए वित्तीय दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड या सक्षम एजेंसियों की जांच जैसे ठोस आधार चाहिए। यदि संगठन छोटे स्वैच्छिक योगदान से कार्यक्रम आयोजित करता है तो आयोजनवार खर्च, प्राप्त चंदे और भुगतान का विवरण सार्वजनिक करना उसके लिए उपयोगी होगा। इससे समर्थकों का भरोसा बढ़ेगा और आलोचकों के सवालों का तथ्यपरक जवाब भी मिलेगा।

कुछ लोगों की ओर से यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि अभिजीत दीपके के आम आदमी पार्टी की डिजिटल मीडिया टीम में काम करने और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों के बीच कोई बाहरी राजनीतिक प्रभाव तो नहीं है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की घटनाओं के संदर्भ में अमेरिका की भूमिका को लेकर व्यक्त संदेह भी इस चर्चा से जोड़े जा रहे हैं। हालांकि, इन दोनों बातों को जोड़कर भारत में किसी संगठन के प्रदर्शन के पीछे विदेशी हाथ होने का निष्कर्ष निकालना तर्कसंगत नहीं है। बांग्लादेश की राजनीतिक घटनाओं को लेकर व्यक्त आशंकाएं अपने आप में भारत में किसी संगठन को विदेशी सहायता मिलने का प्रमाण नहीं हैं। इसी तरह, किसी राजनीतिक दल की डिजिटल मीडिया टीम में काम करने का पूर्व अनुभव भी विदेशी फंडिंग या बाहरी निदेर्शों का सबूत नहीं है। विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता लेकिन उसकी जांच प्रमाणों के आधार पर ही होनी चाहिए। संगठित प्रचार और बड़े प्रदर्शनों को देखकर सवाल उठाना स्वाभाविक है, मगर सवाल उठाने और आरोप सिद्ध करने के बीच स्पष्ट अंतर है।

कॉकरोच जनता पार्टी अपने तीनों प्रदर्शनों के खर्च, चंदे के स्रोत और नकद तथा डिजिटल योगदान का विवरण सार्वजनिक करके इस चर्चा को तथ्यपरक दिशा दे सकती है। दूसरी ओर, मीडिया और आलोचकों की जिम्मेदारी है कि वे अपुष्ट आरोपों को तथ्य के रूप में प्रस्तुत न करें। अंततः इस प्रकरण का समाधान न अंधसमर्थन में है और न ही बिना प्रमाण संदेह करने में। जरूरत है आय-व्यय के स्पष्ट हिसाब, वित्तीय स्रोतों की विश्वसनीय जानकारी और अनियमितता के प्रमाण मिलने पर निष्पक्ष जांच की। लोकतंत्र में प्रदर्शन की स्वतंत्रता जितनी महत्त्वपूर्ण है, उतनी ही जरूरी सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही भी है। इसलिए सबसे अहम सवाल यही है कि राजनीतिक संगठनों के वित्तीय स्रोतों में पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की जाय।

डिजिटल मायाजाल और क्रिएटर भ्रम

विकेश कुमार बडोला

जो मात्र 4 प्रतिशत चैनल इस यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम (वाईपीपी) में शामिल हो भी जाते हैं, उनमें से भी अधिसंख्य केवल 1500 से 15000 रुपए प्रति माह ही कमा पाते हैं, जो मूलभूत खर्चों के लिए भी अपर्याप्त है। हालांकि कुछ चैनलों की पूर्णकालिक आय 3 लाख रुपए प्रति माह अवश्य है, किंतु ऐसे चैनल बहुत कम हैं।

सोशल मीडिया मंचों से धनार्जन का झूठ देश-दुनिया के पूरे समाज में इस प्रकार फैला कि दुनिया के 8 अरब 30 करोड़ लोगों में से 5 अरब 9 करोड़ लोग अपने-अपने वीडियो बनाकर ऐसे मंचों पर प्रसारित कर रहे हैं। ऐसा करने की प्रक्रिया में मोबाइल फोन उपकरण बनाने वाली कंपनियां, मोबाइल फोन में लगने वाले छोटे-बड़े कलपुर्जे बनाने वाली कंपनियां, फोन तथा कलपुर्जों का कच्चा माल उत्खनित, उत्पादित करने वाली कंपनियां, इंटरनेट संचार प्रणाली स्थापित-प्रसारित करने वाली कंपनियां, इन कंपनियों का विज्ञापन करने वाले सेलेब्रिटीज यानी नामी-गिरामी व्यक्ति और अंततः ऐसी कंपनियों को धंधा करने की अनुमति देने वाली विभिन्न देशों की सरकारें तथा उनके बड़े पदों पर बैठे पदाधिकारी तो खूब धनार्जन कर रहे हैं, सुख-सुविधाओं में जीवन व्यतीत कर रहे हैं और दुनिया में उपलब्ध हर प्रकार का ऐश-ओ-आराम भोग रहे हैं, पर लगभग 5 अरब 9 करोड़ लोगों को झांसे, भ्रम और उम्मीद से बांधकर उन्हें वास्तविक जिंदगी में दुःख-दुविधाओं में ही धकेल रहे हैं।

ऐसे लोगों में से 5 अरब 1 करोड़ या 3 करोड़ लोगों के पास स्मार्ट फोन हैं। यानी वीडियो बनाने व अपलोड करने में सक्षम फोन। कुल मोबाइल कनेक्शन/सब्सक्रिप्शन की संख्या 9 अरब से अधिक है, क्योंकि कई व्यक्तियों या व्यावसायिक संस्थानों के पास एक से अधिक सिम/मोबाइल कनेक्शन होते हैं। सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर अपने-अपने वीडियो बनाकर डालने तथा फिर उनके वायरल होने की उम्मीद में इतने लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन या कंप्यूटर की स्क्रीन्स पर आंखें टिकाए हुए व्यतीत हो रहा है। परिवार, समाज, गली, मोहल्ले में लोगों के बीच परस्पर संवाद, बातचीत, मेल-मिलाप और रामा-रूमी सब खत्म हो चुका है। लोगों को डिजिटल नशा देकर बुरी तरह भ्रमित कर दिया गया है। उन्हें अपनी प्राकृतिक पहचान भी नहीं रही।

उन्हें ये तक याद नहीं है कि उन्हें एक दिन इस दुनिया से चले जाना है। कोरोना ग्रस्त 2019 से लेकर 2022 तक इस दुष्प्रवृत्ति ने ऐसे पांव पसारे कि अब यह दुनिया के हर उस व्यक्ति के सिर पर एक चिकित्साहीन रोग बनकर बैठ चुकी है, जिसके पास स्मार्ट फोन और फोन पर इंटरनेट है। विश्व के देशों की सरकारों ने अपने-अपने नागरिकों को मोबाइल फोन रखने एवं उस पर इंटरनेट की सेवा लेने के लिए विवश कर दिया है। जो व्यक्ति मास्टर फोन और फोन द्वारा चलने वाली इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करने का इच्छुक नहीं है या जो मास्टर फोन व इंटरनेट के आगमन से पहले की नागरिक सेवाओं



और सुविधाओं का उपयोग करना चाहता है, उसके लिए अब क्या विकल्प बचा है? संभवतः कुछ भी नहीं। क्या वास्तव में डिजिटल दुनिया साधारण नागरिकों एवं मनुष्यों के भले के लिए आरंभ की गई है? क्या ऐसी दुनिया का विस्तार वास्तविक रूप में सामान्य जनों के लिए हो रहा है? डिजिटल व्यवसाय के आरंभ से लेकर अंत और निम्न से लेकर उच्च स्तर की स्थितियां देखने पर तो यही सत्य सम्मुख दिखाई दे रहा है कि दुनिया के देशों के ऐसे व्यावसायीकरण से एलन मस्क, अंबानी एवं अडाणी जैसे लोग ही अत्यधिक धनार्जन कर रहे हैं। ऐसे ही उद्योगपतियों की भांति अन्य कुछ हजार उद्योगपति, कुछ राजनेता, कुछ अधिकारी-पदाधिकारी, विभिन्न क्षेत्रों के कुछ प्रसिद्ध व्यक्ति ही डिजिटल कारोबार की प्रगति में विशाल लाभार्थी बनकर उभर रहे हैं। डिजिटलीकरण के पूरे चक्र में आम आदमी तो एक असहाय ग्राहक, खरीददार, उम्मीदवार और अंततः एक शोषित की ही भूमिका में दिखाई देता है। इस परिस्थिति में सामान्य जन एक खरखराती, बजबजाती और निर्दयी व असंवेदनशील मशीन की तरह हो चुके हैं, जो अपने जैसे सुदूर दूसरे-तीसरे देशों में रह रहे मशीनी लोगों यानी मशीनी मुर्दों के बीच वायरल, फेमस होने की मशीनी इच्छा से भरे हुए हैं।

इक्कीसवीं सदी के इस दौर में जिस तकनीकी क्रांति को मानवीय स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति का सबसे बड़ा माध्यम बताकर प्रचारित किया गया, वही आज मानवीय संवेदनाओं, आत्मीय रिश्तों और आत्म-विवेक के क्षरण का कारण बन रही है। स्मार्टफोन और सस्ते डेटा के कॉकटेल ने पूरी मानव आबादी को एक ऐसी अंतहीन और अदृश्य दौड़ में झोंक दिया है जहां हर व्यक्ति निमार्ता और उपभोक्ता दोनों बनने के भ्रम में जी रहा है। इस भ्रम में लोग ये भी भूल चुके हैं कि यदि सभी कंटेट क्रिएटर्स बन जाएंगे तो उसका दर्शक और श्रोता कौन होगा! क्योंकि सभी लोग यहां-वहां से कट-कॉपी करके कुछ भी क्रिएट तो करना चाहते हैं, पर दर्शक नहीं बनना चाहते। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसने आम नागरिक को ही एक उत्पाद में बदल दिया है। क्रिएटर इकोनॉमी का जो सुनहरा सपना दुनिया भर के युवाओं को दिखाया जा रहा है, वह असल में टेक-दिग्गजों द्वारा बुना गया एक ऐसा आर्थिक चक्रव्यूह है जिसमें पूंजी का प्रवाह हमेशा ऊपर की ओर होता है। उपकरण बनाने वाली कंपनियां हर साल नए मॉडल पेश कर अरबों का राजस्व जुटाती हैं, टेलीकॉम ऑपरेटर डेटा प्लान बेचकर अपनी तिजोरियां भरते हैं और एल्गोरिदम नियंत्रित करने वाले प्लेटफॉर्म्स विज्ञापनों से मनमाना मुनाफा कमाते हैं। दूसरी ओर, इस पूरी व्यवस्था की नींव में खड़ा आम इनसान अपनी अमूल्य ऊर्जा, समय, निजता और मानसिक शांति को दांव पर लगाकर दिन-रात वीडियो बनाने में जुटा है। उसे लगता है कि एक दिन उसका कोई वीडियो वायरल होगा और उसकी किस्मत बदल जाएगी। परंतु इस डिजिटल जुए में जीत हमेशा प्लेटफॉर्म्स और पूंजीपतियों की होती है, जबकि आम क्रिएटर केवल उम्मीद के सहारे शोषण का शिकार बनता है।

क्रिएटर अर्थव्यवस्था का वास्तविक गणित जितना आकर्षक दिखता है, धरातल पर उसकी स्थिति उतनी ही भयावह और निराशाजनक है। गोल्डमैन सैच्स और प्यू रिसर्च जैसे वैश्विक संस्थानों के आंकड़ों के अनुसार, यूट्यूब पर करोड़ों सक्रिय चैनल मौजूद हैं, लेकिन मोनेटाइजेशन के मामले में स्थिति बेहद चिंताजनक है। प्लेटफॉर्म के कुल सक्रिय चैनलों में से केवल 4 से 4.3 प्रतिशत चैनल ही 1000 सब्सक्राइबर्स और 4000 घंटे के वॉच टाइम की बुनियादी शर्तों को पूरा कर पाते हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि 95.7 प्रतिशत से अधिक चैनल विज्ञापनों से एक रुपया भी कमाने की पात्रता हासिल नहीं कर पाते। जो मात्र 4 प्रतिशत चैनल इस यूट्यूब पार्टनर प्रोग्राम (वाईपीपी) में शामिल हो भी जाते हैं, उनमें से भी अधिसंख्य केवल 1500 से 15000 रुपए प्रति माह ही कमा पाते हैं, जो मूलभूत खर्चों के लिए भी अपर्याप्त है। हालांकि कुछ चैनलों की पूर्णकालिक आय 3 लाख रुपए प्रति माह अवश्य है, किंतु ऐसे चैनल कुल सक्रिय क्रिएटर्स का केवल 0.25 प्रतिशत से भी कम (अर्थात प्रति 1000 में सिर्फ 2 या 3) हैं। आय के संदर्भ में विभिन्न मंचों की तुलनापरक स्थिति भी उत्साहवर्द्धक नहीं है।

इंस्टाग्राम पर डायरेक्ट एड-रेवेन्यू मॉडल अत्यंत सीमित है, जहां 91 प्रतिशत क्रिएटर्स 1 से 10 हजार फॉलोअर्स वाले नैनो-इन्फ्लुएंसर्स हैं, जिन्हें कोई नियमित वित्तीय लाभ नहीं मिलता। केवल शीर्ष 5 से 8 प्रतिशत क्रिएटर्स ही ब्रांड स्पॉन्सरशिप, रील्स बोनस या एफिलिएट मार्केटिंग द्वारा धनार्जन कर पाते हैं। टिकटॉक पर भी क्रिएटर फंड का पे-आउट ढांचा प्रति 1000 व्यूज पर बेहद कम (0.40 से 1.00 डॉलर) है, जिससे 10 लाख व्यूज पर मात्र 400 से 1000 डॉलर ही मिल पाते हैं। यहां भी वित्तीय सफलता के लिए सीधे ब्रांड डील्स या लाइव स्ट्रीमिंग का सहारा लेना पड़ता है।

नशामुक्ति केन्द्र के माध्यम से नशे के पीड़ितों का करें पुनर्वास

नशे के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई और नशे से पीड़ितों के पुनर्वास पर ध्यान दें: शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, भोपाल।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस नवीन भवन सभागार में आयोजित बैठक में नशामुक्त भारत अभियान की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों पर पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अवैध नशीले पदार्थों के उत्पादक और सप्लायर पर भी कड़ी कार्रवाई करें। नशे के सौदागरों पर कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ नशे से पीड़ित व्यक्तियों के पुनर्वास पर भी ध्यान देना आवश्यक है। नशामुक्ति केन्द्रों को सक्रिय करके इनके माध्यम से नशे से पीड़ितों का समुचित पुनर्वास करें। कलेक्टर नशे के शिकार व्यक्तियों की सूची बनाकर उन्हें नशामुक्ति केन्द्रों में समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा और पूरा विन्ध्य तेजी से विकास कर रहा है। कृषि, उद्योग और व्यापार में वृद्धि होने से लोगों की आमदनी बढ़ी है। अधोसंरचना विकास के कार्य क्षेत्र के विकास को गति दे रहे हैं। युवा पीढ़ी अगर कोरक्स और अन्य नशीले पदार्थों की गिरफ्त में आ गई तो हर तरह का विकास निरर्थक हो जाएगा। आज विकास के जो कार्य हो रहे हैं उसका सर्वाधिक लाभ वर्तमान में जो युवा हैं उन्हें ही मिलेगा। कोरेक्स और अन्य नशीले पदार्थों के अपराधियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई लगातार की जा रही है। उत्तरप्रदेश राज्य से भी समन्वय बनाकर नशे के सप्लायरों पर कार्रवाई की गई है। अवैध नशीले पदार्थ जहाँ बनाए जाते हैं वहाँ तक पहुंचकर भी कार्रवाई की जाएगी। देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने 2029 तक देश



को नशे से मुक्त करने का संकल्प लिया है। इसके लिए समन्वय के साथ कार्ययोजना बनाएं और लगातार कार्रवाई करें। नशामुक्त भारत अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों तथा आम जनता को भी भागीदार बनाएं। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने शहर में रात में भारी वाहनों के प्रवेश को रोकने, ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार तथा चौराहों और व्यस्त सड़कों पर अवैध रूप से खड़े ठेलों को व्यवस्थित कराने के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने कहा कि रीवा संभाग में पिछले 18 महीनों में कोरेक्स, गांजा, एमडी ड्रग्स, अवैध शराब तथा हेरोइन जैसे नशीले पदार्थों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की गई है। संभाग में 1615 नशे के सौदागरों को जेल भेजा गया है। इनसे 5535 किलो 931 ग्राम गांजा, 97665 शीशी कोरेक्स, 413310 नग नशील टैबलेट कैप्सूल तथा 450 अफीम के हरे पेड़ जब्त किए गए हैं। अभियान के तहत 123.6 ग्राम हेरोइन, 206.54 ग्राम स्मैक, 244 ग्राम ब्राउन शुगर तथा 3 किलो 87 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई हैं। इनकी कुल कीमत 13 करोड़ 17 लाख 39 हजार 600 रुपए है। नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में लिप्त 181 दो पहिया वाहन तथा 131 चार पहिया वाहन जब्त किए गए हैं। इनकी कुल कीमत 10 करोड़ 41 लाख 70 हजार रुपए है। पुलिस विभाग ने संभाग में शराब के अवैध कारोबार करने वालों के विरूद्ध 11998 प्रकरण दर्ज कर 12199 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे 35890 लीटर अवैध देशी शराब तथा 22807 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई है। इसकी कीमत 3 करोड़ 97 लाख 53 हजार 333 रुपए है। अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि नशे के शिकार 50 व्यक्तियों को इसी सप्ताह चिन्हित करके उन्हें पुनर्वास के लिए नशामुक्ति केन्द्रों में भर्ती कर लिया जाएगा। बैठक में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भावना मरावी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय मिश्रा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट संरक्षा कार्य करने वाले पाँच रेलकर्मियों को प्रदान किया 'उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार'

रेल संरक्षा में सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए भोपाल मंडल के ट्रैकमैन विकास दुबे सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, भोपाल

रेल परिचालन में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संभावित रेल दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रेलकर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह द्वारा सितंबर 2026 माह के दौरान उत्कृष्ट सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देने वाले पाँच रेलकर्मियों को 'उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इनमें भोपाल मंडल के बीना में पदस्थ ट्रैकमैन-ढ्ढ श्री विकास दुबे भी शामिल हैं। भोपाल मंडल के श्री विकास दुबे सहित पश्चिम मध्य रेल के जबलपुर एवं कोटा मंडलों में कार्यरत पुरस्कृत रेलकर्मियों ने अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान सजगता, त्वरित निर्णय क्षमता और तकनीकी खामियों की समय रहते



पहचान कर रेल परिचालन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सितंबर 2026 माह के लिए सम्मानित पाँच रेलकर्मियों में श्री शिवधारी सिंह, गुड्स लोको पायलट, जबलपुर मंडल; श्री कमलेन्द्र प्रताप सिंह, पॉइंट्समैन, खुटहा, जबलपुर मंडल; श्री विकास दुबे, ट्रैकमैन-ढ्ढ, बीना, भोपाल मंडल; श्री अमर सिंह मीणा, वरिष्ठ गुड्स ट्रेन मैनेजर, गंगापुर सिटी जंक्शन, कोटा मंडल तथा श्री रजनीश कुमार मीना, स्टेशन अधीक्षक, छबड़ा गुगोर, कोटा मंडल शामिल हैं। इन रेलकर्मियों ने विभिन्न रेलखंडों पर ड्यूटी एवं गश्त के दौरान रेललाइन पर मोटरसाइकिल होने, हॉट एक्सल, ब्रेक जाम तथा ब्रेकवान वैगन में भारी रिसाव जैसी संभावित संरक्षा संबंधी खामियों को समय रहते पहचानकर आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की। उनकी सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से संभावित दुर्घटनाओं को रोकने और सुरक्षित रेल परिचालन बनाए रखने में सहायता मिली। महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने पुरस्कृत रेलकर्मियों की कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता एवं समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि रेल परिचालन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे सजग एवं जिम्मेदार कर्मचारी न केवल यात्रियों और रेल संपत्ति की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, बल्कि अन्य रेलकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री एकनाथ मोहकर, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री मनोज गुरुमुखी, अजय कुमार पाल सहित संरक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।पश्चिम मध्य रेल सुरक्षित, संरक्षित एवं विश्वसनीय रेल परिचालन के लिए प्रतिबद्ध है। रेल संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को भविष्य में भी प्रोत्साहित किया जाता रहेगा।

पटियेबाजी

किचन से कैबिनेट तक हाहाकार चिंतित दिख रही सरकार...

भारत भूषण विश्वकर्मा



सुना है कि बिजली की आंख मिचौली के चर्चे सरकार के मुखिया तक अपनों द्वारा शिकायती लहज़े में पहुंचाए गए हैं... हालांकि मुखिया जी पहले से ही इस मुसीबत के बारे में लगातार देख और सुन चुके हैं, और इस बला को तय समय में दूर करने के निर्देश दे चुके हैं... आने वाला कल आज से बेहतर होगा की तर्ज पर आशाओं के दीप सजाए किसान वर्ग में भी खासा रोष झलक रहा है... सूबे का ऐसा कोई कोना बाकी नहीं रहा जहां से शिकायती गुहार न लगाई जा रही हो, लेकिन नतीजा अभी भी अंधकारमय ही है... उत्पादन, खपत, साधन, संसाधन और न जाने किन किन चीजों की दुहाई दी जा रही है, कल से सबकुछ ठीक होगा ऐसे आश्वासन भी दिए ही जा रहे हैं... ऐसा नहीं है कि आम आदमी या ग्रामीण किसान ही रतजगे कर रहे हैं, इस 'इलेक्ट्रिक आंख मिचौली' ने मंत्रियों तक की नींद उड़ा रखी है... चौक चौपालों पर 'राजा के राज' में पसरे अंधेरे पर भाषण देने वाले छुटभैयों से आज अपने ही बूथ के वोटरों को जवाब देते नहीं बन रहा... किसी ने सोचा भी न था कि बत्ती गुल होने का मामला पूरे प्रदेश में गूंज उठेगा, और मामले की धमक मुखिया जी तक पहुंचेगी... अघोषित बिजली कटौती ने कांग्रेस को फिर से जनता विशेषतः किसान वर्ग के नजदीक जाने का मौका दे दिया है... वहीं भाजपा, सरकार और समर्थक फिलहाल इस मसले पर राहुल द्रविड़ की भांति डिफेंसिव नजर आ रहे हैं... राजनीति के पंडितों की माने तो सरकार के लिए बिजली की आपूर्ति उतना बड़ा चैलेंज नहीं है जितना नवरात्र जैसे पर्व पर पसरे अंधेरे पर आमजनों का मुखर होना और सवाल करना है... कहा तो ये भी जा रहा है कि यही लोड शेडिंग एक राजा की सरकार को निगल गया था, फिर मुखिया के पीछे तो घर के विभीषण ही लगे हुए हैं... सूबे में लोड शेडिंग का अंधियारा क्या गुल खिलाएगा ये भविष्य तय करेगा लेकिन वर्तमान में विपक्ष को मनमाफिक उजियारा मिल चुका है...

दतिया के 13 हजार 906 उपभोक्ताओं को सितंबर माह में 14 लाख 16 हजार की छूट

■ एक सत बुलेटिन, भोपाल/ग्वालियर

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में सितंबर 2026 के दौरान दतिया के कुल 13 हजार 906 उपभोक्ताओं को 14 लाख 16 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्?य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स?मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम?नदाब



औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसरों में स?मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें तथा स?मार्ट मीटर के उपयोग से होने वाले लाभों का अधिक से अधिक फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि स?मार्ट मीटर से सटीक रीडिंग, पारदर्शी बिलिंग एवं ऊर्जा खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो रही है। उल्?लेखनीय है कि स?मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को बिजली की खपत को ट्रैक करने, ऊर्जा बचत करने तथा मोबाइल एप के माध्यम से कहीं से भी अपनी खपत की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। यह प्रणाली ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध हो रही है। ऊर्जा की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती।

बफर जोन में वन्य जीव पर्यटन का बढ़ रहा आकर्षण

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीव पर्यटन को लेकर पर्यटकों का उत्साह लगातार बना हुआ है। यहां कोर जोन के साथ बफर जोन पर्यटन भी जोर पकड़ रहा है। मानसून के दौरान कोर जोन में सफारी बंद रहने की वजह से बफर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का चलन शुरू किया गया। यह प्रयोग इतना उत्साहवर्धक रहा कि पर्यटन सत्र 2026-27 के शुरुआती 100 दिनों में परासी और पचपेड़ी बफर जोन में वन्यजीवों को नजदीक से रूबरू देखने इस साल 1 जुलाई से 8 अक्टूबर तक 802 वाहनों से कुल 3,780 पर्यटक आये। इनमें 3,758 भारतीय और 22 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। मानसून के दौरान शुरू हुआ ये सिलसिला अब तक जारी है। जबकि पचपेड़ी बफर जोन में 252 वाहनों से 1,192 पर्यटकों ने जंगल सफारी की।

प्रगतिशील किसानों को मिलेगा आत्मा योजना के तहत पुरस्कार

विकासखंड स्तर पर 10 हजार और जिला स्तर पर 25 हजार की पुरस्कार राशि

■ एक सत बुलेटिन, भोपाल।

सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (स्क्रश्व) अंतर्गत संचालित 'आत्मा' योजना के मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के लिए जिले के प्रगतिशील कृषकों से विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऐसे कृषक,जिन्होंने कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है, वे 15 अक्टूबर 2026 तक आवेदन जमा कर सकते हैं। विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी क्षेत्र में कार्य करने वाले कृषक आवेदन कर सकते हैं। संबंधित आवेदन प्रारूप आत्मा परियोजना के जिला कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन प्रारूप को पूर्ण रूप से भरकर निर्धारित समय-सीमा में कार्यालय में जमा करना होगा। योजना के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए 10 हजार तथा जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए 25 हजार की पुरस्कार राशि निर्धारित



की गई है। इच्छुक कृषक आवेदन एवं प्रविष्टि संबंधी जानकारी के लिए कार्यालय परियोजना संचालक, आत्मा, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, संभागीय कृषक छात्रावास भवन, परिसर, बरखेड़ी कलां, जिला भोपाल (म.प्र.) से संपर्क कर सकते हैं। जिला भोपाल के प्रगतिशील कृषकों से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई है।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को मिला सोलर ऑवर में 20 प्रतिशत छूट का लाभ

बैतूल के 46 हजार 195 उपभोक्ताओं को सितंबर माह में 38 लाख 13 हजार की छूट

■ एक सत बुलेटिन, भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के अंतर्गत स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ डे (स्नशष्ठ) छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में सितंबर 2026 के दौरान बैतूल के कुल 46 हजार 195 उपभोक्ताओं को 38 लाख 13 हजार रुपए की रियायत प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा स?मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी विद्युत खपत के आधार पर टाइम ऑफ डे (स्नशष्ठ) योजना के अंतर्गत यह छूट प्रदान की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत उपभोक्ताओं को सोलर ऑवर में बिजली उपयोग करने पर विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिन के टैरिफ में स?मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। कंपनी ने बताया है कि घरेलू, गैर घरेलू, सार्वजनिक जल कार्य, स्ट्रीट लाइट एवं निम?नदाब औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की अवधि को सोलर ऑवर निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उपभोग की गई ऊर्जा पर ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर में 20 प्रतिशत तक की छूट 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। प्रबंध संचालक





श्री ऋषि गर्ग ने आमजन एवं उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसरों में स?मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें तथा स?मार्ट मीटर के उपयोग से होने वाले लाभों का अधिक से अधिक फायदा उठाएं। उन्होंने कहा कि स?मार्ट मीटर से सटीक रीडिंग, पारदर्शी बिलिंग एवं ऊर्जा खपत की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव हो रही है। उल्?लेखनीय है कि स?मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को बिजली की खपत को ट्रैक करने, ऊर्जा बचत करने तथा मोबाइल एप के माध्यम से कहीं से भी अपनी खपत की जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। यह प्रणाली ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध हो रही है।

स्मार्ट मीटर के फायदे

ऊर्जा की खपत को ट्रैक कर नियंत्रित करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। एप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, ताकि ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है। ऊर्जा की खपत को कम करने से पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव कम होता है।जिले के 46 हजार 195 उपभोक्ताओं को सितंबर माह में कुल 38 लाख 13 हजार रुपये की छूट मिली है। इस राहत से उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ हुआ है। सितंबर माह के दौरान दी गई छूट की राशि 38.13 लाख रुपये रही। इस छूट से जिले के हजारों उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा है। 46 हजार 195 उपभोक्ताओं को मिली राहत के आंकड़े के अनुसार, प्रति उपभोक्ता औसतन लगभग 82.54 रुपये की छूट हुई है। उपभोक्ताओं को मिली आर्थिक राहत सितंबर माह में दी गई छूट से बैतूल जिले के उपभोक्ताओं को राहत मिली है। कुल 38 लाख 13 हजार रुपये की छूट का लाभ 46 हजार 195 उपभोक्ताओं तक पहुंचा।

संक्षिप्त समाचार

डरबन टेस्ट

स्टीव स्मिथ को हेलमेट पर लगी चोट की जांच होगी

डरबन । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का कनकशन अवलोकन किया जा रहा है। स्मिथ को दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की गेंद से हेलमेट पर चोट लगी थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में खेले जा रहे टेस्ट में स्मिथ को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के दौरान एनरिक नोर्त्जे का



बाउंसर लगा था। स्मिथ की उम्मीद के मुताबिक नोर्त्जे की गेंद नहीं उठी थी, गेंद देखकर वह झुके थे, लेकिन गेंद सीधे उनके हेलमेट से जा टकराई थी। उस समय उन्होंने अपनी इनिंग सिर्फ चार गेंद खेली थीं। उस समय उनके कनकशन की जांच की गई और उन्हें अपनी इनिंग जारी रखने की इजाजत दे दी गई। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग शुरू की तो स्मिथ वापस नहीं आए। उम्मीद है कि अगले 24 घंटों में उनके कनकशन की जांच होगी। चौथे दिन स्टंप्स के समय ब्यू वेबस्टर स्मिथ की फिटनेस के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर पाए। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने उम्मीद जताई कि स्मिथ मंगलवार को मैदान पर उतर सकते हैं।

हरजिंदर कौर: कबड्डी छोड़ चुनी वेटलिफ्टिंग

नई दिल्ली । भारतीय महिला वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर कौर का नाम काफी लोकप्रिय है। हरजिंदर ने लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए पदक जीते हैं। हरजिंदर कौर का जन्म 14 अक्टूबर 1996 को पंजाब के पटियाला



जिले में नाभा के पास मेहास में हुआ था। हरजिंदर का परिवार खेती से जुड़ा रहा है। शुरुआत में हरजिंदर कबड्डी खेला करती थीं और प्रशिक्षण के लिए प्रतिदिन 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर सेंटर जाया करती थीं। परिवार की आर्थिक तंगी के कारण उन्हें प्रशिक्षण छोड़ना पड़ा। वेटलिफ्टिंग में हरजिंदर काफी देर से आईं। 2016 में पटियाला में पंजाबी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्होंने वेटलिफ्टिंग शुरू की। राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन के बाद हरजिंदर कौर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला।

टी20 में फील्डिंग सुधारने के लिए टीम इंडिया के कल्चर में बदलाव जरूरी: आर श्रीधर

नई दिल्ली । भारत की सीनियर पुरुष टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर मानते हैं कि टी20 फॉर्मेट में फील्डिंग के स्तर में आ रही गिरावट को ठीक करने के लिए राष्ट्रीय टीम को अपने कल्चर में पूरी तरह बदलाव की जरूरत है। श्रीधर ने यह भी कहा कि 22 अक्टूबर से शुरू होने वाले न्यूजीलैंड दौरे से पहले टीम में शामिल



नए खिलाड़ी फील्डिंग के मामले में पूरी तरह तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 में टी20 मुकाबलों में भारत की फील्डिंग का स्तर गिरा है। कैच पकड़ने की क्षमता के मामले में भारत टॉप 10 देशों में दूसरे-आखिरी स्थान पर है (73.4 प्रतिशत)। टीम ने चौंकाने वाले 58 कैच छोड़े हैं। भारतीय फील्डरों ने भले ही 129 रन बचाए हों, लेकिन कैच छोड़ने और ग्राउंड-फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 रन अतिरिक्त बने, जिससे कुल मिलाकर 97 रनों का नुकसान हुआ।

शुभमन गिल और शेफाली वर्मा ने पुरुष और महिला वर्ग में

जीता आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार



दुबई । भारतीय वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सितंबर महीने के लिए पुरुष और महिला श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। यह तीसरी बार है जब भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ किसी महीने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है। गिल ने पांचवीं बार यह सम्मान हासिल किया है। उन्होंने पुरुष कैटेगरी में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने के अपने रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाया है। शेफाली वर्मा ने विमेंस एशिया कप और एशियन गेम्स में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद दूसरी बार महीने के श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीता है।

गिल को मिले इस नए अवॉर्ड ने उन्हें वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज के साथ खड़ा कर दिया है। मैथ्यूज ने भी पांच बार आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले मैच में 110 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में 133 गेंदों पर शानदार 223 रनों की पारी खेली थी। पुरस्कार जीतने के बाद गिल ने कहा, 'अपना पांचवां आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस सम्मान के लिए पैनल का शुक्रगुजार हूं। इतने रन बनाना बहुत अच्छा लगा और अपने घरेलू फैंस के सामने सफल रन चेज का हिस्सा बनना और भी खास था, जिनका सपोर्ट हमें हमेशा अतिरिक्त बूस्ट देता है।' उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट की गति काफी बढ़ गई है। आपको तुरंत सोचना होता है, कंडीशन का जल्दी से अंदाजा लगाना होता है और पिच और टारगेट की जरूरतों के हिसाब से खुद को ढालना होता है। अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आईसीसी मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप के साथ, हम अपने स्तर को बेहतर करते रहने और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने में सक्षम एक मजबूत और संतुलित टीम बनाने के लिए दृढ़ हैं।'

शेफाली वर्मा ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड फिर से जीतना एक अविश्वसनीय सम्मान है। एशिया कप और एशियन गेम्स में हमारी जीत में अपना रोल निभाना बहुत अच्छा लगा, और यह अवॉर्ड जीतने से ये जीत और भी खास हो गई हैं।'

उन्होंने कहा, 'मैं आने वाले महीनों को लेकर उत्साहित हूं। अगले साल फरवरी में होने वाली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी में अपना बेस्ट परफॉर्मेंस जारी रखने का पक्का इरादा है। यह एक और टूर्नामेंट है, जिसका मुझे इंतजार है। वर्ल्ड कप जीतने की याद अभी भी बहुत ताजा और खास है। मैं अपनी धरती पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए मैदान पर वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।'

सितंबर की शॉर्टलिस्ट में पुरुषों की कैटेगरी में गिल के अलावा भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा और जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को नामित किया गया था, जबकि महिलाओं में शेफाली के अलावा श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू और भारत की लेफ्ट-आर्म स्पिनर श्री चरणी को नामित किया गया था।





न्यूजीलैंड के खिलाफ इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से

पंत बाहर, कुशाग्र को मौका मिला

नई दिल्ली। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत लेफ्ट-साइड स्ट्रेन के कारण न्यूजीलैंड के आगामी दौरे पर इंडिया-ए के शुरुआती दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यह जानकारी सोमवार को दी। पंत का इस दौरे पर खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर था। 1-4 अक्टूबर के बीच ईरानी कप में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 'रेस्ट ऑफ इंडिया' टीम की कप्तानी करते हुए उन्हें वायरल बुखार हो गया था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया कि 29 वर्षीय पंत मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और लिंकन में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'वह बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। तीसरे मैच में उनके खेलने पर फैसला बाद में लिया जाएगा। पुरुष चयन समिति ने पहले दो मुकाबलों के लिए पंत की जगह कुमार कुशाग्र को चुना है।'



झारखंड के 21 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज कुशाग्र, ध्रुव जुरेल की कप्तानी वाली इंडिया-ए की टीम में शामिल हुए हैं। इस टीम में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, आकिब नबी, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मानव सुथार और वाशिंगटन सुंदर जैसे सितारे भी मौजूद हैं।

कुशाग्र पुदुचेरी में ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ इंडिया-ए के रेड-बॉल मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करके आ रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में 113 और 46 रन बनाकर इंडिया-ए को जीत दिलाई थी।

इंडिया-ए की अपडेटेड टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, रविचंद्रन स्मरण, वाशिंगटन सुंदर, आकिब नबी, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, मानव सुथार, मुकेश चौधरी, साई सुदर्शन, यश राठौड़, मुकेश कुमार और कुमार कुशाग्रा (विकेटकीपर) (पहले और दूसरे मैच के लिए)।

पाक टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका टीम का ऐलान

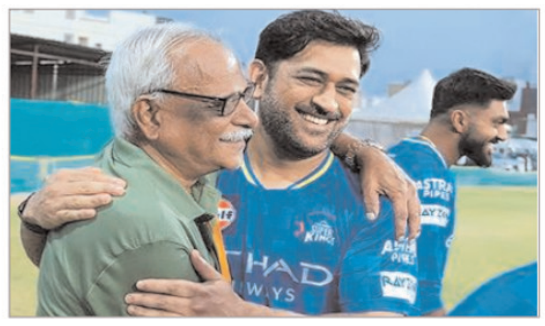
कुसल मेंडिस करेंगे कप्तानी

कोलंबो । पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम की कमान कुसल मेंडिस संभालेंगे। यह पहला मौका है जब कुसल श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। मेंडिस को वनडे और टी20 टीम की कमान सौंपे जाने के बाद अब टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है। ऐसे में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के साथ ही बतौर कप्तान भी उनकी जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। मेंडिस को कप्तानी पिछले सप्ताह धनंजय डी सिल्वा के टेस्ट कप्तान का पद छोड़ने के बाद सौंपी गई है। डी सिल्वा जनवरी 2024 से इस फॉर्मेट में श्रीलंका की कप्तानी कर रहे थे। उन्होंने अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने की जरूरत बताई थी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) सिलेक्शन कमिटी ने गुरुवार को बोर्ड के मुख्यालय में हुई मीटिंग में मेंडिस की बतौर टेस्ट कप्तान नियुक्ति की। विकेटकीपर-बल्लेबाज को सबसे लंबे फॉर्मेट में काफी अनुभव है। वह 75 टेस्ट मैचों में 4,836 रन बना चुके हैं, जिसमें 10 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं। मेंडिस को मई में श्रीलंका का वनडे और टी20 कप्तान बनाया गया था। उन्होंने वनडे कप्तान के रूप में चरित असलांका और टी20 में दासुन शनाका की जगह ली थी। टेस्ट कप्तान के तौर पर उनकी नियुक्ति अब उन्हें तीनों इंटरनेशनल फॉर्मेट में कप्तान बनाती है।

एमएस धोनी में क्रिकेट बाकी

आईपीएल 2027 में खेलने का फैसला उनका होगा: सीएसके सीईओ विश्वनाथन

चेन्नई । आईपीएल की सफलतम फ्रेंचाइजी में से एक चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन का मानना है कि पूर्व कप्तान एमएस धोनी में अभी क्रिकेट बाकी है। वह टीम के लिए एक आखिरी सीजन खेलने की पूरी कोशिश करेंगे। धोनी इंजरी की वजह से आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। चेन्नई में मीडिया से बात करते हुए विश्वनाथन ने कहा कि धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं, यह फैसला फ्रेंचाइजी ने पूरी तरह उन पर छोड़ दिया है। उन्होंने कहा, 'यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के चांस हैं। वह अभी भी एक खिलाड़ी हैं, आप जानते हैं।' धोनी ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेला था। वह 45 साल के हो चुके हैं। ऐसे में धोनी के आगामी सीजन में खेलने पर सवाल उठते रहते हैं।



एमएस धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के लिए खेलेंगे या नहीं, इस पर टीम के पूर्व खिलाड़ी और दिग्गज बल्लेबाज सुरेश रैना ने कहा कि वह धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखना चाहते हैं। चेपॉक में सीएसके के पारंपरिक लैप ऑफ ऑनर में धोनी के हिस्सा लेने के बाद, रैना ने कहा कि उन्होंने आईपीएल 2027 के लिए उनसे वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, 'मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 को मिस कर दिया। यह नहीं गिना जाएगा।

ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 की सीईओ सिंडी हुक अपना पद छोड़ेंगी

नई दिल्ली । ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ सिंडी हुक ने घोषणा की है कि वह अपने चार साल के कॉन्ट्रैक्ट के खत्म होने पर अपने पद से हट जाएंगी। हुक को फरवरी 2023 में नियुक्त किया गया था। उनका चार साल का कॉन्ट्रैक्ट अगले साल की शुरुआत में खत्म होने वाला है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, आने वाले महीनों में एक नई नियुक्ति की घोषणा होने की उम्मीद है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी बोर्ड ने हुक के कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद पद छोड़ने के फैसले को मान लिया है। ऑर्गनाइजिंग कमिटी के मुताबिक, 'लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक से ठीक एक साल पहले एक आसान बदलाव सुनिश्चित करने के लिए और ब्रिस्बेन 2032 के अपने शुरुआती प्लानिंग और कैपेबिलिटी बिल्डिंग फेज से ऑपरेशन्स, प्रोजेक्ट और इवेंट डिलीवरी के अगले महत्वपूर्ण फेज में जाने के लिए एक नए लीडर को बैटन सौंपने का यह सही समय है।' हुक ने एक बयान में कहा, 'पिछले चार सालों में, मैंने वह सब कुछ हासिल किया है जिसकी हमने उम्मीद की थी और इस दौरान मुझे कई अद्भुत अनुभव हुए।'



ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक ऑर्गनाइजिंग कमिटी की सीईओ के तौर पर, सिंडी गेम्स के ऑर्गनाइजेशन के सभी पहलुओं को लीड करने के लिए जिम्मेदार थीं, ताकि एथलीट और दर्शकों के लिए एक शानदार अनुभव बनाया जा सके और ब्रिस्बेन, साउथईस्ट क्वींसलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लिए एक पॉजिटिव विरासत छोड़ी जा सके।

उनकी जिम्मेदारियों में गेम्स की प्लानिंग, स्पॉन्सरशिप, टिकटिंग और मर्चेंडाइज के जरिए राजस्व जुटाना, वेन्यू के ऑपरेशन को मैनेज करना, इवेंट सुरक्षा, वॉलंटियर रिक्रूटमेंट आदि शामिल हैं।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: आईसीसी ने पॉवेल और रदरफोर्ड को फटकारा

खाते में डिमेरिट अंक भी जुड़ा

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मैच के दौरान 'आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट' तोड़ने पर वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड को आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई गई। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया। आईसीसी के अनुसार, पॉवेल को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट के सामान या कपड़ों, मैदान के सामान या फ़िक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है। पॉवेल को आउट होने के बाद अपने बल्ले से गेंद को दूर मारने के लिए सजा दी गई। यह घटना वेस्टइंडीज की पारी के छठे ओवर में हुई, जब भारत के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने पॉवेल को बोल्ड कर दिया।

वहीं, रदरफोर्ड ने आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने से संबंधित है। रदरफोर्ड को मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए फटकार लगाई गई। पारी के 13वें ओवर के दौरान एक गेंद को रदरफोर्ड वाइड मान रहे थे, लेकिन उसे वैलिड करार दिए जाने के बाद कैरेबियन खिलाड़ी अंपायर पर आक्रामक रूप से चिल्लाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने अपराध स्वीकार करते हुए एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरीज के प्रकाश भट्ट द्वारा प्रस्तावित सजी को मान लिया, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी ने यह भी पुष्टि की कि दोनों खिलाड़ियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक-एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में यह दोनों का पहला अपराध था। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम करने के बाद भारत ने टी20 सीरीज का पहला मैच 8 विकेट से जीता, जिसके बाद रांची में खेले गए दूसरे मुकाबले को वेस्टइंडीज ने 6 विकेट से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-1 से बराबरी की।



निर्धारित अवधि में राशि जमा न करने पर धारा-96 के तहत भू-राजस्व के रूप में की जाएगी वसूली

अवमानक दूध, घी और मावा पर कार्रवाई छः कारोबारियों पर 22 लाख रुपये अर्थदंड

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

जिले में उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन लगातार नमूना निरीक्षण एवं कार्रवाई कर रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न डेयरियों से लिए गए दूध, घी और मावा के नमूनों की प्रयोगशाला जांच में अवमानकता अथवा अपद्रव्य पाए जाने पर न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला दण्डाधिकारी भिण्ड द्वारा कार्रवाई करते हुए छः कारोबारियों पर कुल 22 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत की गई है, जिसका उद्देश्य जनता के स्वास्थ्य की रक्षा और खाद्य व्यवसाय में अनुपालन सुनिश्चित करना है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना बंसल द्वारा दिनांक 30 जुलाई 2022 को फर्म गोविन्द डेयरी, जगराम नगर, वीरेन्द्र वाटिका, मरघटा के सामने, भिण्ड का निरीक्षण किया गया। मौके पर लगभग 2500 लीटर दूध संग्रहित था। मिलावट की शंका पर दूध मिक्स (लूज) का नमूना लिया गया, जो जांच में अवमानक पाया गया। नोटिस एवं वैधानिक कार्रवाई के बाद फर्म संचालक आशीष शर्मा पर



खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 26 सहपठित धारा 51 के तहत 3 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया। अवमानक खाद्य पदार्थ के विनिर्माण, भंडारण अथवा विक्रय पर अधिनियम की धारा 51 के अंतर्गत दंड का प्रावधान है। इसी प्रकार खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी ने दिनांक 22 अगस्त 2023 को वार्ड नंबर 13, रतवा रोड स्थित आयूब डेयरी का निरीक्षण किया। वहां 70 किलो मावा एवं एक ड्रम में 60 किलो घी संग्रहित मिला। मावा एवं घी के नमूने भेजे गए, जिनमें मावा मानक स्तर का पाया गया, जबकि घी (लूज) अवमानक निकला। अनावेदक अयूब खॉन के विरुद्ध धारा 26(2) सहपठित धारा 51 के तहत कार्रवाई करते हुए 3 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। प्रयोगशाला रिपोर्ट और नोटिस के बाद भी पुनर्जांच हेतु अपीलीय आवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया, जिसके आधार पर न्यायिक निर्णय लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना बंसल ने दिनांक 5 अक्टूबर 2024 को ग्राम हीरापुरा, थाना गोरमी स्थित जितेन्द्र सिंह नरवरिया डेयरी का निरीक्षण किया। यहां घी (लूज) का संग्रहण पाया गया। नमूना जांच में घी मानक स्तर का पाया गया, परंतु कारोबारी के पास खाद्य रजिस्ट्रेशन नहीं होना पाया गया। बिना पंजीयन के खाद्य व्यवसाय करने पर धारा 26(2)(1), 31(2) सहपठित धारा 58 के तहत जितेन्द्र सिंह नरवरिया पर 2 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया। खाद्य कारोबारियों के लिए पंजीयन अथवा लायसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता और उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। दिनांक 24 फरवरी 2024 को खाद्य सुरक्षा आयुक्त मध्य प्रदेश द्वारा गठित उड़नदस्ता के साथ अमायन रोड, मेहगांव का निरीक्षण किया गया। वहां टैंकर संख्या एमपी 30 जी 1352 में लगभग 2000 लीटर मिश्रित दूध संग्रहित मिला। नमूना जांच में दूध अवमानक पाया गया। साथ ही कारोबारी के पास खाद्य लायसेंस नहीं होना पाया गया। श्री गणेश डेयरी के संचालक श्रीकृष्ण राठौर पर अवमानक दूध के संग्रहण हेतु धारा 51 के तहत 3 लाख रुपये तथा बिना लायसेंस कारोबार हेतु धारा 63 के तहत 4 लाख रुपये–कुल 7 लाख रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। बिना लायसेंस खाद्य व्यवसाय करना अधिनियम की धारा 63 के अंतर्गत दंडनीय है। दिनांक 13 अगस्त 2024 को ग्राम रमपुरा, तहसील लहार स्थित मां शीतला डेयरी का निरीक्षण किया गया।

चंबल भवन में आयोजित जनसुनवाई में 7 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं



एक सत बुलेटिन, मुरैना

चम्बल संभाग आयुक्त श्री मनोज कुमार खत्री के निर्देशानुसार मंगलवार को चंबल भवन, मुरैना में आयोजित जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री बी.एस. जाटव ने आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 7 आवेदन प्राप्त हुए। संयुक्त आयुक्त (विकास) जाटव ने प्राप्त आवेदनों का परीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का नियमानुसार परीक्षण कर त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रत्येक आवेदन नागरिकों की समस्याओं एवं अपेक्षाओं से जुड़ा होता है, इसलिए सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए पात्रतानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा आवेदकों को निर्धारित समय-सीमा में राहत उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व एवं भूमि संबंधी विवादों, पुलिस विभाग से जुड़े प्रकरणों, नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था, अवरुद्ध नालियों, जलभराव तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के आवेदन प्राप्त हुए। संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री जाटव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें। साथ ही, आवेदकों को की गई कार्रवाई एवं प्रकरणों के निराकरण की स्थिति से समय पर अवगत कराना सुनिश्चित करें।

नवरात्रि एवं दीपावली पर मिट्टी के उत्पादों की बिक्री के लिए कुम्हारों को मिलेगा नि :शुल्क स्थान

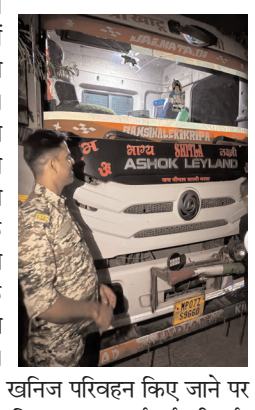


एक सत बुलेटिन, मुरैना

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने नवरात्रि एवं दीपावली पर्व के अवसर पर जिले के कुम्हार समुदाय और पारंपरिक मिट्टी शिल्पकारों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए प्रोत्साहित करने तथा उनकी आजीविका को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगने वाले हाट.बाजारों में मिट्टी के उत्पादों की बिक्री के लिए कुम्हारों को निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उनसे किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। निर्देशों के अनुसारए स्थानीय मिट्टी शिल्पकारों एवं कारीगरों द्वारा निर्मित मिट्टी की मूर्तियोंए खिलौनोंए दीपकोंए सरेयाए मटकों तथा अन्य सजावटी वस्तुओं एवं पारंपरिक उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए हाट.बाजारों में उपयुक्त स्थान की व्यवस्था की जाएगी। इससे कुम्हार समुदाय को अपने उत्पादों के विपणन के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे तथा त्योहारों के दौरान उनके व्यवसाय को प्रोत्साहन मिलेगा। कलेक्टर श्री जांगिड़ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कुम्हारों एवं पारंपरिक मिट्टी शिल्पकारों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएंए ताकि उन्हें अपने उत्पादों की बिक्री में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस पहल से स्थानीय कारीगरों को आर्थिक संबल मिलेगा और उनकी पारंपरिक कला एवं शिल्प को संरक्षित करने में भी सहायता मिलेगी। आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारीए जिला पंचायत मुरैनाए आयुक्त नगर पालिक निगम मुरैनाए अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्धए जिला शहरी विकास अभिकरण तथा संबंधित नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह पहल स्थानीय कारीगरों की आजीविका को बढ़ावा देनेए स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा पारंपरिक मिट्टी शिल्पकला के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गोहद में भ्रमण के दौरान एसडीएम गोहद ने बिना रॉयल्टी खनिज परिवहन करते दो डंपर पकड़े

भिण्ड। अनुविभागीय अधिकारी गोहद द्वारा गत दिवस क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान तहसीलदार मौ के साथ ग्राम चितौरा स्थित डेरमन पाली मोड़ पर खनिज परिवहन की जांच की गई। इस दौरान वाहन क्रमांक 9660 एवं 6791 में काली गिट्टी का परिवहन करते हुए पाया गया। दोनों डंपरों के माध्यम से काली गिट्टी इटावा ले जाई जा रही थी। वाहनों की जांच के दौरान खनिज परिवहन से संबंधित रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया, लेकिन दोनों वाहनों के चालक रॉयल्टी संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।



जांच में बिना रॉयल्टी के खनिज परिवहन किए जाने पर दोनों डंपरों को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा खनिज के अवैध परिवहन पर नियंत्रण रखने के लिए क्षेत्र में निरंतर निगरानी एवं जांच की जा रही है। बिना वैध रॉयल्टी के खनिज परिवहन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सीईओ जिला पंचायत भिण्ड ने चार सचिवों को किया निलंबित

पदीय कर्तव्य में लापरवाही, कार्यों के प्रति उदासीनता एवं कर्तव्य विमुखता के कारण हुई कार्रवाई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान ने सीईओ जनपद पंचायत लहार एवं गोहद के द्वारा प्रस्तुत अनुशासनात्मक कार्यवाही के प्रस्ताव पर जनपद पंचायत लहार की ग्राम पंचायत बरथरा के सचिव राहुल कुमार कुशवाह, ग्राम पंचायत बड़ोखरी के सचिव महेश प्रसाद शर्मा, ग्राम पंचायत मारपुरा के सचिव मुरारी लाल शर्मा तथा जनपद पंचायत गोहद की ग्राम पंचायत किटी के सचिव अजय पाल सिंह भदौरिया को पदीय कर्तव्य में घोर लापरवाही, कार्यों के प्रति उदासीनता एवं कर्तव्य विमुखता के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उक्त सचिवों की सीएम हेल्पलाइन, समग्र ई-केवाईसी एवं अन्य योजनाओं की प्रगति निम्न है। वरिष्ठ कार्यालय के निरंतर निर्देश देने के उपरांत भी कार्य में रुचि नहीं ली जा रही है। निलंबन



अवधि में उक्त सचिवों का मुख्यालय संबंधित जनपद पंचायत में नियत किया गया है तथा निलंबन अवधि में संबंधित को शासन नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता की पात्रता होगी।

किशोर कुमार की पुण्य स्मृति में प्रभारी मंत्री ने किया माल्यार्पण, लगाया दूध-जलेबी का भोग

एक सत बुलेटिन, खंडवा

हरफनमौला कलाकार किशोर कुमार की पुण्य स्मृति में प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के राज्यमंत्री तथा खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने आज किशोर कुमार समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने समाधि स्थल पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने किशोर दा को प्रिय दूध-जलेबी का भोग भी लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किशोर कुमार खंडवा के गौरव हैं, जिनकी आवाज और अभिनय ने देश-दुनिया में खंडवा का नाम रोशन



किया है। उनकी स्मृतियों को सहेजना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस दौरान जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती पिंकी वानखेडे, खंडवा विधायक श्रीमती कंचन तनवे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोर जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह तोमर उपस्थित थे।

जिला मुख्यालय पर कलेक्टर ने जनसुनवाई की 110 आवेदकों के प्रकरणों की हुई सुनवाई

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई जनसुनवाई में कलेक्टर भिण्ड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 110 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत भिण्ड, अपर कलेक्टर द्वारा भी आवेदकों की समस्याओं पर जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने गंभीर बीमारी से संबंधित इलाज, विद्युत बिलों में सुधार, हैण्डपंपों का संधारण, पेंशन, सड़क दुर्घटना



सहायता, हितग्राही मूलक योजनाओं, बीपीएल राशन कार्ड एवं जमीन पर कब्जा से संबंधित आवेदनों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके संबंध में आवेदक को भी कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।

मुरैना ग्रामीण क्षेत्र के अधिकारियों-कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न, नगरीय क्षेत्र का प्रशिक्षण 14 एवं 15 अक्टूबर को

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

एक सत बुलेटिन, मुरैना

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जनगणना-2027 के द्वितीय चरण अर्थात जनसंख्या गणना के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में 12 एवं 13 अक्टूबर को नवीन जिला पंचायत सभागार में मुरैना ग्रामीण क्षेत्र के जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण भूपेन्द्र श्रीवास्तव एवं श्री विपिन कुमार द्वारा दिया जा रहा है। मुरैना नगरीय क्षेत्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण 14 एवं 15 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री जांगिड़ ने बताया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 1 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपन्न किया जा चुका है। द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में प्रस्तावित है। इस महत्वपूर्ण कार्य को व्यवस्थित, त्रुटिरहित एवं निर्धारित समय-सीमा में संपन्न कराने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनसंख्या गणना के अंतर्गत प्रगणकों द्वारा प्रत्येक परिवार से 40 प्रकार की जानकारियां प्राप्त की जाएंगी। इन जानकारियों का संकलन डिजिटल माध्यम से किया जाएगा। गणना कार्य की शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रगणकों को निर्धारित प्रक्रिया, प्रश्नावली तथा जानकारी संकलित करने



की विधि से अवगत कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री जांगिड़ ने सभी चार्ज अधिकारियों एवं प्रगणकों को निर्देश दिए कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता से लें और प्रत्येक बिंदु को भली-भांति समझें। उन्होंने कहा कि जनगणना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है, जिसके आधार पर देश की जनसंख्या से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े संकलित किए जाते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान किसी भी विषय अथवा प्रक्रिया को लेकर कोई शंका हो, तो तत्काल उसका समाधान प्राप्त करें। सभी बिंदुओं को भली-भांति समझकर ही प्रशिक्षण पूर्ण करें, ताकि जनगणना कार्य के दौरान किसी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रदेश राष्ट्रीय पोषण माह में देश में तीसरे स्थान पर

‘हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी’ थीम पर प्रदेश के सभी 55 जिलों में जनभागीदारी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय पोषण माह-2026 में पोषण जागरूकता और जनभागीदारी के प्रयासों में देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। 12 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे तक प्रदेश में 1 करोड़ 9 लाख 66 हजार 805 गतिविधियों की प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस उपलब्धि को और विशेष बनाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के प्रभार वाले मंदसौर और नीमच जिलों ने राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश के सभी 55 जिलों की भागीदारी के साथ यह उपलब्धि पोषण को जनआंदोलन बनाने और आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, देखभाल तथा प्रारंभिक बाल विकास का सशक्त केंद्र बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती है।

देश के अग्रणी राज्यों में मध्यप्रदेश की उल्लेखनीय उपस्थिति

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत 12 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12 बजे तक देश में कुल 11 करोड़ 91 लाख 64 हजार 823 गतिविधियों की प्रविष्टियां दर्ज की गईं। इनमें बिहार 1 करोड़ 49 लाख 93 हजार 265 प्रविष्टियों के साथ पहले, महाराष्ट्र 1 करोड़ 38 लाख 66 हजार 923 के साथ दूसरे और मध्यप्रदेश 1 करोड़ 9 लाख 66 हजार 805 प्रविष्टियों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ 2 लाख 90 हजार 37, राजस्थान में 91 लाख 78 हजार 866, गुजरात में 84 लाख 23 हजार 561 और छत्तीसगढ़ में 71 लाख 93 हजार 724 प्रविष्टियां दर्ज की गईं। राष्ट्रीय स्तर पर 788 जिलों में से 785 जिलों की भागीदारी दर्ज की गई, जबकि मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों ने पोषण माह की गतिविधियों में सहभागिता की। मंदसौर और नीमच की उपलब्धि से प्रदेश को मिली विशेष पहचान प्रदेश के मंदसौर जिले ने राष्ट्रीय पोषण माह में पहला और नीमच जिले ने दूसरा स्थान हासिल किया है। दोनों जिले महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के प्रभार वाले जिले हैं। राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष दो स्थानों पर इन जिलों की उपलब्धि प्रदेश में पोषण संबंधी गतिविधियों के व्यापक संचालन और जनभागीदारी को नई पहचान देती है। हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी’ है इस वर्ष की थीम भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत पोषण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ 9 सितंबर 2026 को किया गया। इस वर्ष की मुख्य थीम ‘हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी’ निर्धारित की गई है। इसका उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से पोषण, देखभाल और प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास से जुड़ी सेवाओं को सुदृढ़ करना, समुदाय की सक्रिय भागीदारी बढ़ाना तथा पोषण सेवाओं के प्रति सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही को प्रोत्साहित करना है। पांच प्रमुख विषयों पर केंद्रित हैं पोषण संबंधी गतिविधियां राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान 5 प्रमुख विषयों पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इनमें आहार में विविधता और पर्याप्त प्रोटीन की उपलब्धता, आंगनवाड़ी केंद्रों पर ताजा एवं विविधतापूर्ण गर्म पका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व और जवाबदेही, बच्चों के पोषण के साथ प्रारंभिक विकास एवं सीखने के लिए प्रोत्साहन संबंधी गतिविधियां तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से मातृ स्वास्थ्य के लिए सहायता शामिल हैं। इन विषयों के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं, बच्चों और परिवारों को संतुलित आहार, बेहतर पोषण व्यवहार, मातृ स्वास्थ्य और बच्चों के समग्र विकास के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है। इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के साथ समुदाय को पोषण संबंधी प्रयासों से जोड़ना भी है।

राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा कैंप में मेघा परमार, ओलंपियन विवेक सागर और योगाचार्य डॉ. शंकर मिश्रा ने किया युवाओं का मार्गदर्शन



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेरा युवा भारत मध्यप्रदेश द्वारा भारतीय वन प्रबंधन संस्थान भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा कैंप 2026-27 के अंतर्गत मंगलवार को युवाओं के व्यक्तित्व विकास, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, खेल भावना और आपदा प्रबंधन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रेरणादायी गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान प्रसिद्ध पर्वतारोही मेघा परमार, भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपियन विवेक सागर प्रसाद तथा योगाचार्य डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने युवाओं का मार्गदर्शन किया। वहीं, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने प्रशिक्षण सत्र के माध्यम से युवाओं को आपदा के समय सतर्कता और सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। प्रसिद्ध पर्वतारोही मेघा परमार ने युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए उन्हें जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने और कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास, दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास से कठिन से कठिन लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। उनके अनुभवों ने युवाओं को बाधाओं से सीख लेकर आगे बढ़ने और अपने लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा दी। भारतीय हॉकी खिलाड़ी एवं ओलंपियन विवेक सागर प्रसाद ने युवाओं को खेलों में अनुशासन, नियमित अभ्यास, टीम भावना और कठिन परिश्रम के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने अपनी खेल यात्रा के अनुभव साझा करते हुए युवाओं को समर्पण के साथ आगे बढ़ने, लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास करने और खेलों के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। योगाचार्य डॉ. विजय शंकर मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित योग सत्र में युवाओं ने योगाभ्यास किया। इस दौरान शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक एकाग्रता, तनाव प्रबंधन और संतुलित जीवनशैली के महत्व पर प्रकाश डाला गया। युवाओं को नियमित योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

जनसुनवाई में 130 आवेदन हुए प्राप्त

मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर मिश्रा ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित 130 आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जनसुनवाई में आए दिव्यांग श्री प्रकाश शाक्य निवासी भोपाल को ट्राइसिकल वितरित की । कलेक्टर मिश्रा ने प्रत्येक आवेदक से धैर्यपूर्वक चर्चा करते हुए उनकी समस्याओं को सुना तथा अनेक प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कराया। उन्होंने शेष आवेदनों के शीघ्र एवं नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही की जाए और प्रत्येक प्रकरण का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों को ावेदकों की समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। जनसुनवाई के दौरान एडीएम श्री सुमित पांडे, श्री प्रकाश नायक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शासकीय अनुमतियों संबंधी कार्य 20 नवंबर तक पूर्ण करें

एयरोसिटी भोपाल में बन रहे ‘कंट्रोल सेंटर कॉम्पलेक्स ऑफ वैस्ट रीजन’ की प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा एयरोसिटी क्षेत्र भोपाल में बन रहे में ग्रिड कंट्रोल ऑफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम) के कंट्रोल सेंटर कॉम्प्लेक्स ऑफ वैस्ट रीजन के निर्माण संबंधी सभी शासकीय अनुमतियों को 20 नवंबर तक पूर्ण करने एवं कार्य को तय समय में प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय में ग्रिड इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक श्री एम.के. रमेश, सीईओ भोपाल विकास प्राधिकरण श्री श्याम वीर सिंह सहित अन्य अधिकारियों के बीच बैठक हुई, जिसमें इस प्रोजेक्ट को स्थापित किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में बताया गया कि कंट्रोल सेंटर कॉम्प्लेक्स का निर्माण भोपाल विकास प्राधिकरण करवा रहा है, जिसके लिए उसका ग्रिड इंडिया लिमिटेड के साथ ‘कांसेप्ट टू कम्पलीशन’ एमओयू हो चुका है। कॉम्प्लेक्स के लिए भूमि का आवंटन भी हो चुका है। इसके निर्माण में लगभग 305 करोड़ रूपये की लागत आएगी और यह लगभग 02 वर्ष में पूर्ण किया जाएगा। एयरोसिटी भोपाल क्षेत्र में ग्रिड कंट्रोल ऑफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम) देश का अपनी तरह का पहला कंट्रोल सेंटर कॉम्प्लेक्स बनाया जा रहा है, जहां से देश के पश्चिमी क्षेत्र की इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कंट्रोल होगी। बैठक में कार्य के लिए निविदा आमंत्रण, भवन अनुज्ञा, पर्यावरणीय स्वीकृति, भूमि उपयोग परिवर्तन, ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई एवं भवन अनुज्ञा, पर्यावरणीय स्वीकृति, भूमि उपयोग परिवर्तन, ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन प्रक्रिया एवं पोल शिफ्टिंग संबंधी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

वार्ड 74 में 60 लाख रुपये के विकास कार्यों किया भूमि-पूजन

क्षेत्र का विकास और नागरिक सुविधाएं हमारी प्राथमिकता : राज्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास तथा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली, पेयजल एवं अन्य ढांचागत संरचनाओं को सशक्त बनाने की दिशा में विकास कार्य निरंतर गतिशील हैं। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा उन्हें निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण किया जाए, जिससे जन-सामान्य को इन लोक-कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ अविलंब मिल सके। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर मंगलवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 74 में लगभग 60 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न बुनियादी विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं ।उन्होंने कहा कि इन जनोपयोगी निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से संपूर्ण क्षेत्रवासियों को सुदृढ़ सड़क मार्ग एवं समुचित जल-निकासी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के क्षेत्र में स्थायी राहत एवं सुगमता प्राप्त होगी राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने साईंधाम करारिया में 17 लाख 60 हजार रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य तथा कैलाश नगर सेमरा में 12 लाख 25 हजार रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी नाली का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने महाराज रंजीत सिंह मार्ग से गणपति रॉयल तक 13 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित सीसी रोड, कैलाश नगर में 11 लाख 50 हजार रुपये की लागत से आकार लेने वाली सीसी रोड व आरसीसी नाली तथा शारदा नगर में 4 लाख रुपये की लागत के सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। समारोह के समापन अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के कड़े निर्देश दिए। वहीं, क्षेत्र में बुनियादी विकास की इस नई सौगात के लिए स्थानीय नागरिकों एवं वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों ने राज्यमंत्री श्रीमती गौर का हृदय से आभार व्यक्त किया।

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के कड़े निर्देश दिए

बफर जोन पर्यटन से स्थानीय समुदायों को मिल रहे रोजगार और आजीविका के अवसर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन्यजीव पर्यटन को लेकर पर्यटकों का उत्साह लगातार बना हुआ है। यहां कोर जोन के साथ बफर जोन पर्यटन भी जोर पकड़ रहा है। मानसून के दौरान कोर जोन में सफारी बंद रहने की वजह से बफर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का चलन शुरू किया गया। यह प्रयोग इतना उत्साहवर्धक रहा कि पर्यटन सत्र 2026-27 के शुरुआती 100 दिनों में परासी और पचपेड़ी बफर जोन में वन्यजीवों को नजदीक से रूबरू देखने इस साल 1 जुलाई से 8 अक्टूबर तक 802 वाहनों से कुल 3,780 पर्यटक आये। इनमें 3,758 भारतीय और 22 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। मानसून के दौरान शुरू हुआ ये सिलसिला अब तक जारी है। परासी बफर जोन में 550 वाहनों से 2,588 पर्यटक पहुंचे, जबकि पचपेड़ी बफर जोन में 252 वाहनों से 1,192 पर्यटकों ने जंगल सफारी की। दोनों पर्यटन गेट्स पर पर्यटकों की अच्छी उपस्थिति रही। आंकड़ों पर नजर डालें तो जुलाई में 243 वाहनों से 1,109, अगस्त में 265 वाहनों से 1,247 और सितंबर में 168 वाहनों से 780 पर्यटकों ने बफर जोन का भ्रमण किया। वहीं, एक से आठ अक्टूबर तक 126 वाहनों से 644 पर्यटक जंगल सफारी के लिए पहुंचे। इस अवधि में अगस्त माह में सर्वाधिक पर्यटक आए।बांधवगढ़ के बफर जोन में पर्यटकों को बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों को उनके प्राकृतिक परिवेश में देखने का अवसर मिल रहा है। जंगल की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ा रही है। यहां मानव और वन्यप्राणियों के सह-अस्तित्व की झलक भी देखने को मिलती है, जिससे पर्यटक प्रकृति को करीब से जानने और समझने का अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। देशी और विदेशी पर्यटक यहां पहुंचकर वन्यप्राणियों के दीदार के साथ जंगल की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले रहे हैं। परासी और पचपेड़ी बफर जोन में पर्यटकों को बाघ सहित अन्य वन्यप्राणियों के नियमित दीदार हो रहे हैं, जिससे उनका उत्साह बना हुआ है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088